website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 128 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 18 अप्रैल 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

चारधाम यात्रा 2026 के लिए हरिद्वार में ऑफलाइन पंजीकरण शुरू

नई दिल्ली । उत्तराखंड की प्रसिद्ध चारधाम यात्रा 2026 की तैयारियां तेज हो गई हैं। शुक्रवार से हरिद्वार के ऋषिकुल मैदान में स्थापित ऑफलाइन पंजीकरण केंद्र पर तीर्थयात्रियों का पंजीकरण विधिवत शुरू हो गया। यात्रा को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए

जिला प्रशासन ने यहां व्यापक इंतजाम किए हैं। पंजीकरण केंद्र पर श्रद्धालुओं के लिए बैठने की उचित व्यवस्था, पेयजल, सुरक्षा और स्वास्थ्य जांच जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार यात्रियों की स्क्रीनिंग और मेडिकल परीक्षण कर रही है, ताकि यात्रा के दौरान किसी तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्या न हो। इस वर्ष सबसे पहला पंजीकरण मध्य प्रदेश के शहडोल से आए सात सदस्यीय परिवार का हुआ। इस दल में बिसाहू लाल विश्वकर्मा, मुन्नी विश्वकर्मा, प्यारेलाल विश्वकर्मा, रामदीन प्रजापति, दशरथ प्रजापति, शांति प्रजापति और पार्वती प्रजापति शामिल रहे। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने इन श्रद्धालुओं का पारंपरिक तरीके से फूलमालाओं और टीका-चंदन के साथ स्वागत किया और उनकी मंगलमय यात्रा की कामना की। पंजीकरण केंद्र पर देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और उत्साहपूर्वक अपना रजिस्ट्रेशन करा रहे हैं। इस दौरान अपर जिलाधिकारी पी.आर. चौहान, एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल और अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अनिल वर्मा सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

एनसीआर में मौसम ने बदली करवट, गर्मी से राहत

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ली, जिससे भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को राहत मिली। दोपहर बाद आसमान में काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई। इस बदलाव के चलते

तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों ने तपती धूप से कुछ समय के लिए राहत महसूस की। पिछले कुछ दिनों से एनसीआर में गर्मी लगातार बढ़ रही थी। अधिकतम तापमान 37 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ था, जबकि न्यूनतम तापमान 21 से 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा रहा था। शुक्रवार को भी दिनभर उमस और तेज धूप ने लोगों को परेशान किया, लेकिन दोपहर बाद मौसम के बदले मिजाज ने हालात को कुछ हद तक संतुलित कर दिया। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, यह बदलाव प्री-समर वेदर एक्टिविटी का हिस्सा है, जिसमें गर्मी के बीच अचानक बादल, तेज हवाएं और हल्की बारिश देखने को मिलती है। हालांकि, यह राहत ज्यादा दिनों तक टिकने वाली नहीं है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में तापमान फिर से बढ़ सकता है और अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। साथ ही, न्यूनतम तापमान भी धीरे-धीरे बढ़कर 24 डिग्री तक जा सकता है। ऐसे में फिलहाल मिली राहत अस्थायी है और एनसीआर में गर्मी का असर आगे भी जारी रहने की पूरी संभावना है।

संसद में संविधान संशोधन बिल गिरा
केजरीवाल का हमला—'मोदी सरकार की उल्टी गिनती शुरू'

नई दिल्ली। लोकसभा में 131वां संविधान संशोधन विधेयक आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिलने के कारण पारित नहीं हो सका, जिससे यह बिल गिर गया। इसके चलते केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल और परिसीमन (डिलिमिटेशन) बिल पर भी वोटिंग नहीं कराई गई। इस घटनाक्रम पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अहंकार की हार है और अब केंद्र सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। वहीं, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि डिलिमिटेशन बिल के जरिए भाजपा राज्यों के बीच असंतुलन पैदा करना चाहती थी, लेकिन संसद में यह प्रयास विफल हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह महिला आरक्षण के नाम पर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश थी, जिसे विपक्ष ने नाकाम कर दिया। संजय सिंह ने आगे कहा कि सरकार उत्तर और दक्षिण भारत के बीच विवाद खड़ा करना चाहती थी। उन्होंने 2023 में पारित महिला आरक्षण से जुड़े प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा कि पहले जनगणना और फिर परिसीमन के बाद ही आरक्षण लागू करने की बात कही गई थी, जबकि विपक्ष तत्काल आरक्षण लागू करने की मांग कर रहा था। इस पूरे घटनाक्रम के बाद संसद में सियासी माहौल गरमा गया है और आने वाले समय में इस मुद्दे पर राजनीतिक टकराव और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

महिला आरक्षण की राह में 'महाब्रेक'
लोकसभा में गिरा संविधान संशोधन बिल, नहीं जुटा दो-तिहाई बहुमत

नई दिल्ली । लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े 131वें संविधान संशोधन विधेयक पर दो दिनों तक चली मैराथन चर्चा के बाद शुक्रवार (17 अप्रैल) को हुई वोटिंग में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। बहुप्रतीक्षित यह बिल सदन में पारित नहीं हो सका और इसके साथ ही महिला आरक्षण की राह में फिलहाल 'महाब्रेक' लग गया है। वोटिंग के आंकड़ों पर नजर डालें तो कुल 528 सांसदों ने मतदान में हिस्सा लिया। इनमें से 298 सांसदों ने बिल के पक्ष में वोट किया, जबकि 230 सांसदों ने विरोध में मतदान किया। हालांकि संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए सदन में मौजूद और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई यानी 352 वोटों की आवश्यकता थी, जो सरकार के पक्ष में नहीं जुट पाए।

दो-तिहाई बहुमत नहीं मिलने से अटका विधेयक

लोकसभा में किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए दो-तिहाई बहुमत अनिवार्य होता है। सत्ता पक्ष के पास 293 सांसदों का समर्थन था, लेकिन उसे पांच अतिरिक्त वोट मिले, फिर भी जरूरी आंकड़े तक पहुंचना संभव नहीं हो पाया। विपक्षी दलों ने एकजुट होकर इस विधेयक के खिलाफ मतदान किया, जिससे बिल पास होने से रुक गया। इस विधेयक का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना था, जिसे 2029 के आम चुनाव से लागू करने की योजना थी। लेकिन बिल के गिरने के साथ ही यह प्रस्ताव

अन्य संबंधित विधेयक भी अटके

सरकार ने इस संविधान संशोधन विधेयक के साथ 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' भी सदन में पेश किए थे, लेकिन मुख्य बिल पारित न होने के कारण इन दोनों प्रस्तावों को भी आगे नहीं बढ़ाया जा सका। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने स्पष्ट किया कि जब तक संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं होता, तब तक उससे जुड़े अन्य विधेयकों पर आगे की कार्रवाई संभव नहीं है। वहीं, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिल गिरने के बाद प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह वास्तविक महिला आरक्षण विधेयक नहीं था, बल्कि चुनावी ढांचे को बदलने का प्रयास था। उन्होंने इसे संविधान पर हमला करार देते हुए कहा कि विपक्ष ने मिलकर इसे रोक दिया। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सच में महिला आरक्षण लागू करना चाहते हैं, तो 2023 में पारित मूल विधेयक को लागू करें, जिसमें कांग्रेस उनका समर्थन करेगी।

महिला आरक्षण बिल पर सियासी संग्राम: राहुल गांधी का बड़ा हमला, बोले—"इसी सदन में हराएंगे"

नई दिल्ली । लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। वोटिंग से पहले उन्होंने सरकार की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह असल महिला आरक्षण बिल नहीं है, बल्कि देश के चुनावी नक्शे को बदलने की कोशिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विधेयक अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी वर्गों के अधिकारों के खिलाफ है। राहुल गांधी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विपक्ष इस बिल को किसी भी सूरत में पास नहीं होने देगा और "इसी सदन में हराएगा।" उन्होंने यह भी कहा कि सरकार दलितों को हिंदू बताती है, लेकिन उन्हें बराबरी का स्थान देने से बचती है। राहुल गांधी के मुताबिक, 2023 में जो महिला आरक्षण विधेयक पारित हुआ था, वही असली बिल था और वर्तमान प्रस्ताव उससे अलग है।

पुराना बिल लाओ, समर्थन मिलेगा

राहुल गांधी ने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि अगर केंद्र 2023 वाला मूल महिला आरक्षण बिल वापस लाता है तो कांग्रेस उसका समर्थन करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार डर की राजनीति कर रही है और असम व जम्मू-कश्मीर की तरह पूरे देश में चुनावी ढांचे को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर और दक्षिण भारत के बीच भेदभाव किया जा रहा है, जिसे विपक्ष स्वीकार नहीं करेगा। राहुल गांधी के अनुसार, यह विधेयक राष्ट्रहित के खिलाफ है और कांग्रेस इसे लागू नहीं होने देगी।

जाति जनगणना दबाने का आरोप

लोकसभा में 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक, 2026', 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने सरकार पर जाति जनगणना को दबाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पूरा विपक्ष एकजुट होकर सरकार के इस प्रयास को विफल करेगा। राहुल गांधी ने दोहराया कि यह महिला सशक्तीकरण का मुद्दा नहीं है, बल्कि महिलाओं के नाम पर राजनीतिक एजेंडा चलाया जा रहा है। उन्होंने इसे "शर्मनाक" करार देते हुए कहा कि महिलाओं के पीछे छिपकर देश के चुनावी मानचित्र को बदलने की कोशिश की जा रही है।

झारखंड में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, 15 लाख का इनामी नक्सली ढेर

झारखंड। झारखंड में उग्रवाद के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। शुक्रवार को चतरा और हजारीबाग जिले की सीमा पर हुई मुठभेड़ में चार कुख्यात नक्सलियों को मार गिराया गया। मारे गए

नक्सलियों में 15 लाख रुपये का इनामी कमांडर सहदेव महतो भी शामिल है। इस ऑपरेशन की पुष्टि झारखंड पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने की है। जानकारी के अनुसार, इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर सुरक्षाबलों को चतरा-हजारीबाग बॉर्डर पर नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त टीम ने इलाके में घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। खुद को घिरा देख नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। कई घंटों तक चली इस मुठभेड़ में चार नक्सली मौके पर ही मारे गए, जबकि अन्य के घायल होने की आशंका जताई जा रही है। मुठभेड़ के बाद चलाए गए सर्च अभियान में सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में हथियार और नक्सली सामग्री बरामद की है। इनमें दो एके-47 राइफल, अन्य आधुनिक और देशी हथियार, बड़ी संख्या में कारतूस और नक्सली साहित्य शामिल हैं। सहदेव महतो को क्षेत्र में कई बड़ी घटनाओं का मास्टरमाइंड माना जाता था। इधर, पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा क्षेत्र में भी सुरक्षाबलों ने एक बड़े नक्सली दस्ते को घेर रखा है। छोटानागरा थाना क्षेत्र के जंगलों में चल रहे इस अभियान में नक्सलियों के भागने के रास्ते सील कर दिए गए हैं और ड्रोन के जरिए निगरानी की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस दस्ते में एक करोड़ का इनामी नक्सली मिसिर बेसरा भी शामिल हो सकता है। चाईबासा के एसपी अमित रेनू ने बताया कि इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। गौरतलब है कि हाल ही में इस क्षेत्र में आईईडी ब्लास्ट और गोलीबारी की घटनाओं में छह जवान घायल हो चुके हैं, जिससे अभियान और भी संवेदनशील बना हुआ है।

पश्चिम बंगाल में चुनावी बिगुल
योगी आदित्यनाथ की कूच बिहार, जलपाईगुड़ी और बांकुरा में करेंगे रैलियां

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की चुनावी सरगर्मियों के बीच शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक बार फिर मैदान में उतरने जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारकों में शामिल योगी का यह दौरा रणनीतिक रूप से काफी अहम माना जा रहा है। उनके इस कार्यक्रम के जरिए पार्टी उत्तर बंगाल से लेकर जंगलमहल तक चुनावी माहौल को अपने पक्ष में करने की कोशिश करेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, योगी आदित्यनाथ सबसे पहले दोपहर 12 बजे कूच बिहार जिले की माथाभांगा विधानसभा क्षेत्र में पहुंचेंगे।

यहां वे केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रत्याशी निशीथ प्रमाणिक के समर्थन में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे। सीमावर्ती इलाका होने के कारण कूच बिहार का राजनीतिक महत्व काफी ज्यादा है और भाजपा यहां अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है। इसके बाद योगी आदित्यनाथ का अगला पड़ाव जलपाईगुड़ी जिले की धूपगुड़ी विधानसभा सीट होगी, जहां वे दोपहर करीब 1:20 बजे भाजपा उम्मीदवार नरेश चंद्र राय के समर्थन में जनसभा करेंगे। उत्तर बंगाल की इस बेल्ट में भाजपा ने पिछले चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया था और इस बार पार्टी उस आधार को और मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। दिन के अंतिम चरण में मुख्यमंत्री शाम 4:15 बजे बांकुरा पहुंचेंगे। यहां वे भाजपा प्रत्याशी नीलाद्री शेखर दाना के समर्थन में रोड शो करेंगे। बांकुरा, जो जंगलमहल क्षेत्र का अहम हिस्सा है, वहां इस रोड शो को शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। स्थानीय स्तर पर इसकी जोरदार तैयारियां की गई हैं और बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना जताई जा रही है। हाल के दिनों में योगी आदित्यनाथ की सभाओं में उमड़ रही भीड़ को भाजपा के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। सभास्थलों पर लोगों में उन्हें देखने की जबरदस्त उत्सुकता नजर आ रही है। कई जगहों पर स्थिति ऐसी बन रही है कि सभा शुरू होने से काफी पहले ही लोग पहुंचकर अपनी जगह सुरक्षित कर लेते हैं और अंत तक डटे रहते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि योगी आदित्यनाथ का यह दौरा न केवल पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने का काम करेगा, बल्कि पश्चिम बंगाल के चुनावी समीकरणों पर भी असर डाल सकता है।

महिला आरक्षण और परिसीमन पर सरकार का बड़ा बयान: अमित शाह बोले—2029 से पहले लागू होगा कानून

नई दिल्ली । लोकसभा में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' और परिसीमन को लेकर हुई अहम चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सरकार का स्पष्ट रुख सामने रखा। उन्होंने महिला आरक्षण को लेकर उठ रहे तमाम सवालों और विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि यह सुधार 2029 से पहले हर हाल में लागू किया जाएगा। शाह ने इसे देश की महिलाओं के अधिकारों से जुड़ा ऐतिहासिक कदम बताते हुए सांसदों से समर्थन की अपील की।

महिला आरक्षण पर सरकार की प्रतिबद्धता

अमित शाह ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल यह भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं कि महिला आरक्षण को 2029 के बाद तक टाल दिया जाएगा, जबकि सच्चाई इसके उलट है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केंद्र सरकार इस कानून को जल्द लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शाह के अनुसार, यह केवल एक राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि देश की आधी आबादी को न्याय देने का सवाल है। उन्होंने कहा कि संसद को इस अवसर का लाभ उठाकर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता साफ करना चाहिए।

धर्म आधारित आरक्षण और विपक्ष पर हमला

गृह मंत्री ने धर्म के आधार पर आरक्षण की मांग को पूरी तरह असंवैधानिक बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान किसी भी धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि मुस्लिम आरक्षण की बात करना संविधान की भावना के खिलाफ है। शाह ने महिलाओं से भी सीधा संवाद करते हुए कहा कि उन्हें यह समझना चाहिए कि उनके अधिकारों में कौन बाधा डाल रहा है और कौन उनके सशक्तिकरण के लिए काम कर रहा है।

परिसीमन, जनगणना और राजनीतिक बहस

अमित शाह ने स्पष्ट किया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत 2026 के बाद होने वाली जनगणना के आधार पर परिसीमन किया जाएगा और उसी प्रक्रिया में महिला आरक्षण लागू होगा। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था नई नहीं है, बल्कि 1971 के बाद सीटों के फ्रीज होने की संवैधानिक प्रक्रिया से जुड़ी है। इतिहास का जिक्र करते हुए शाह ने बताया कि 1972 में इंदिरा गांधी सरकार ने सीटों की संख्या बढ़ाई थी, जबकि 1976 में 42वें संविधान संशोधन के जरिए परिसीमन पर रोक लगा दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय भी कांग्रेस ने इस प्रक्रिया को रोका था और आज भी वही रुख जारी है। गृह मंत्री ने यह भी बताया कि 2021 में प्रस्तावित जनगणना कोविड-19 महामारी के कारण नहीं हो पाई, लेकिन अब जाति आधारित जनगणना की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उत्तर और दक्षिण भारत के बीच विभाजन की राजनीति को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि सभी राज्यों का संसद में समान अधिकार है। उन्होंने दक्षिण भारत के राज्यों—कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल—का उदाहरण देते हुए बताया कि परिसीमन के बाद उनकी सीटें 129 से बढ़कर 195 हो जाएंगी, जिससे यह स्पष्ट है कि किसी भी क्षेत्र का नुकसान नहीं होगा।

ओबीसी प्रतिनिधित्व और सरकार का पक्ष

अंत में अमित शाह ने ओबीसी समुदाय के प्रतिनिधित्व का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार में 27 मंत्री ओबीसी वर्ग से हैं, जो कुल मंत्रिपरिषद का लगभग 40 प्रतिशत है। साथ ही, ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने और राज्यों को सूची में संशोधन का अधिकार देने जैसे कदम भी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि संसद इस ऐतिहासिक मौके का सही उपयोग करेगी और महिला आरक्षण को लागू करने का मार्ग जल्द प्रशस्त होगा।

रॉयल पत्रिका
संपादकीय....

शिक्षा और आत्मनिर्भरता: बराबरी की असली बुनियाद

लोकसभा की सीटों में हर राज्य के लिए 50% की आनुपातिक वृद्धि का प्रस्ताव एक संतुलित राजनीतिक कदम माना जा सकता है। इससे उन राज्यों की चिंता दूर करने की कोशिश की गई है, जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन किया है। साथ ही, विधायिकाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का विचार लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व को व्यापक बनाने की दिशा में एक अहम पहल है। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल आरक्षण से महिलाओं को वास्तविक सम्मान और बराबरी मिल पाएगी? सच यह है कि नारी सशक्तिकरण की असली ताकत शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता में निहित है। जब तक महिला शिक्षित नहीं होगी और अपनी आर्थिक पहचान नहीं बनाएगी, तब तक उसका सशक्तिकरण अधूरा ही रहेगा। केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने से समाज की सोच में बदलाव नहीं आता। यह बदलाव तब आता है जब महिला अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो और आर्थिक रूप से सक्षम बनकर परिवार और समाज में बराबरी की भागीदारी निभाए। इतिहास भी यही बताता है कि केवल कानून बना देने से सामाजिक बुराइयों का अंत नहीं होता। भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कानून दशकों से मौजूद हैं, लेकिन यह समस्या आज भी कायम है। इसी तरह, महिलाओं के लिए आरक्षण भी तभी प्रभावी होगा, जब समाज की मानसिकता बदलेगी। पड़ोसी देश पाकिस्तान का उदाहरण हमारे सामने है, जहां महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था लंबे समय से लागू है और इसे बढ़ाकर एक-तिहाई तक किया गया। इसके बावजूद वहां महिलाओं की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका। दूसरी ओर, कई पश्चिमी देशों में बिना आरक्षण के भी महिलाएं बड़ी संख्या में विधायिकाओं में पहुंच रही हैं, क्योंकि वहां शिक्षा और आत्मनिर्भरता का स्तर ऊंचा है। इसलिए जरूरी है कि हम नारी को केवल 'अबला' या 'भोग्या' के रूप में देखने की पुरानी सोच को बदलें। उसे एक सशक्त, स्वतंत्र और सम्मानित नागरिक के रूप में स्वीकार करें। महिलाओं के घरेलू कार्य को भी आर्थिक योगदान के रूप में मान्यता देने की जरूरत है, ताकि उनके श्रम का उचित मूल्यांकन हो सके। अंततः, नारी सशक्तिकरण का रास्ता केवल कानून और आरक्षण से नहीं, बल्कि शिक्षा, जागरूकता और आर्थिक आत्मनिर्भरता से होकर गुजरता है। यही वह आधार है, जिस पर सच्ची बराबरी और सम्मान की इमारत खड़ी की जा सकती है।

भारतीय पत्रकारिता को कलंकित करता गोदी मीडिया

पत्रकारिता का गिरता स्तर

निर्मल रानी

बहरहाल गोदी चैनल की यही मोहतरमा अपने चैनल पर एक पाकिस्तानी मेहमान को बार बार बुलाती हैं। यह जब उससे कोई तीखा सवाल जानबूझकर करती हैं तो वह शख़्स इनसे भी तीखा जवाब देता है। मैंने उसे अपशब्द बोलते, गलियां निकालते भी सुना यहाँ तक कि उसकी कई टिप्पणियों से हमारे देश की तौहीन भी हुई। परन्तु यह आज भी उसे जानबूझकर बार बार बुलाती हैं। अब तो उस पाकिस्तानी व्यक्ति की लोकप्रियता गोदी चैनल्स में इतनी बढ़ गयी है कि वह व्यक्ति दूसरे चैनल्स पर भी नज़र आने लगा है। वह ख़ुद भी कह चुका है कि तुम हिंदुस्तानी चैनल वाले मुझे बुलाते ही इसलिये हो ताकि तुम्हारी टीआरपी बढ़े। सनसनी फैलाने, पक्षपात करने, सत्ता का गुणगान करने, भ्रामक रिपोर्टिंग करने, बहस में अपना एजेंडा थोपने, साम्प्रदायिकता फैलाने सत्ता के बजाय विपक्ष को कटघरे में खड़ा करने, मंहगाई, बेरोज़गारी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर बहस न करने व इन मूल मुद्दों को न उठाने जैसी अपनी ग़ैर ज़िम्मेदाराना हरकतों के चलते आज विदेशों में भी भारतीय मीडिया की छवि नकारात्मक बन चुकी है। इसीलिये भारतीय मीडिया को अक्सर सरकार का चमचा या गोदी मीडिया कहकर संबोधित करते हैं। पूर्व में हुये भारत-पाकिस्तान संघर्ष हों...

सत्ता की गुलामी करने में मदहोश देश का गोदी मीडिया तमाम अपमानों, ज़लालत, विरोध व आलोचनाओं के बावजूद अपनी प्रस्तुति, सामग्री व शब्दों के चयन के स्तर को दिन प्रतिदिन गिराता जा रहा है। हद तो यह है अपनी टी आर पी बढ़ाने के चक्कर में पाकिस्तान व अन्य देशों के अतिथियों को अपने साथ लाईव जोड़कर उनसे विवदित व बेतुके सवाल पूछकर उन्हें बदकलामी करने के लिये जानबूझकर उकसाया जाता है। ताकि वे तीखा जवाब दें जिससे बहस में गर्मी पैदा हो और बहस में असंसदीय व अभद्र शब्दों का इस्तेमाल हो। और इसी शोर शराबे की आड़ में उनकी टीआरपी भी बढ़े उनका एजेंडा भी पूरा हो और उनके सरपरस्त आक़ा भी खुश हो सकें। देश को कलंकित करने वाले ऐसे अनेक टी वी स्टूडियो में डिबेट के दौरान गाली गलौज, धक्का मुक्की मार पीट सब कुछ तो होता रहता है? अफ़सोस यह कि यह सब पूर्वनियोजित होता है और जानबूझकर करवाया जाता है।

सरकारी टीवी चैनल डीडी न्यूज़ के शो दो टूक के एंकर अशोक श्रीवास्तव द्वारा अपने इसी शो में पिछले दिनों की गयी एक अत्यंत घटिया टिप्पणी को सुनकर भला कौन कह सकता कि यह भाषा किसी पत्रकार या टीवी एंकर की भाषा हो सकती है। एक लाइव डिबेट के दौरान अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि राहुल गांधी सावरकर के चप्पल की धूल के एक कण के हज़ारवें हिस्से के बराबर भी नहीं हैं। राहुल गांधी सावरकर के जूते की नोंक के बराबर भी नहीं हैं, और उस नोंक पर लगी धूल के कण के भी हज़ारवें भाग के बराबर नहीं हैं। एंकर अशोक श्रीवास्तव द्वारा यह टिप्पणी सावरकर को श्रद्धांजलि देते समय राहुल गांधी से उनकी तुलना करने के बहाने से की गई थी। इस ओछी व घटिया टिप्पणी के बाद ख़ासकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उबाल आ गया। कई विपक्षी नेताओं ने भी ऐसी घटिया टिप्पणी को अपमानजनक व असभ्य बताया। इसके बाद युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली में दूरदर्शन मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने ये पत्रकारिता नहीं, सत्ता की दलाली है जैसे नारे लगाये। गोदी मीडिया का पुतला फूंका गया। इसके बाद यह सवाल भी खड़ा हुआ कि निजी टीवी चैनल तो भय लालच व्यवसायिकता अथवा वैचारिक कारणों से तो सत्ता की गोद में जाकर बैठ ही चुके हैं परन्तु आख़िर देश के कर दाताओं के पैसों से चलने वाला सरकारी चैनल भी क्या अपनी निष्पक्षता खो चुका है? क्या छ्ष्ठ हृद्2ह्य पर भी करोड़ों रूपये लेने वाले पत्रकार व टाई सूट में सजे धजे टीवी ऐंकर भी अब आईटी सेल या ट्रोलर्स की भाषा बोलने के लिये मजबूर हो चुके हैं? इसी तरह एक निजी टीवी चैनल की एक एंकर हैं जिन्होंने पिछले दिनों इफ़्तार पार्टी आयोजित कर कई राजनेताओं को दावत दी थी। उनकी यह दावत और आमंत्रित लोगों को देखकर यह समझने में देर नहीं लगी कि उनका राजनैतिक रुझान भी है और वह पत्रकारिता के बाद संभवतः राजनीति में ही अपना कैरियर बना सकती हैं। दरअसल गोदी पत्रकारों को यह मालूम है कि गोदी से उतरने के बाद वे इस लायक़ ही नहीं रहेंगे कि अपना कोई प्लेटफ़ॉर्म खड़ाकर उसपर अपने जौहर दिखा सकें। क्योंकि हर पत्रकार सिद्धार्थ वरदराजन, रवीश कुमार, अजीत अंजुम, अभिसार शर्मा, अशोक पाण्डेय, पुण्य प्रसून वाजपेई, प्रज्ञा मिश्रा, आरिफ़ा ख़ानम या आशुतोष

जैसे पत्रकारों के नक्शे क़दम पर नहीं चल सकता। दरअसल ऐसी पत्रकारिता के लिये अध्ययन, साहस, ज्ञान, पत्रकारिता का दायित्वबोध आदि सब कुछ चाहिये जो चाटुकारिता या सत्ता की दलाली के लिये ज़रूरी नहीं। बहरहाल गोदी चैनल की यही मोहतरमा अपने चैनल पर एक पाकिस्तानी मेहमान को बार बार बुलाती हैं। यह जब उससे कोई तीखा सवाल जानबूझकर करती हैं तो वह शख़्स इनसे भी तीखा जवाब देता है। मैंने उसे अपशब्द बोलते, गलियां निकालते भी सुना यहाँ तक कि उसकी कई टिप्पणियों से हमारे देश की तौहीन भी हुई। परन्तु यह आज भी उसे जानबूझकर बार बार बुलाती हैं। अब तो उस पाकिस्तानी व्यक्ति की लोकप्रियता गोदी चैनल्स में इतनी बढ़ गयी है कि वह व्यक्ति दूसरे चैनल्स पर भी नज़र आने लगा है। वह ख़ुद भी कह चुका है कि तुम हिंदुस्तानी चैनल वाले मुझे बुलाते ही इसलिये हो ताकि तुम्हारी टीआरपी बढ़े। सनसनी फैलाने, पक्षपात करने, सत्ता का गुणगान करने, भ्रामक रिपोर्टिंग करने, बहस में अपना एजेंडा थोपने, साम्प्रदायिकता फैलाने सत्ता के बजाय विपक्ष को कटघरे में खड़ा करने, मंहगाई, बेरोज़गारी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर बहस न करने व इन मूल मुद्दों को न उठाने जैसी अपनी ग़ैर ज़िम्मेदाराना हरकतों के चलते आज विदेशों में भी भारतीय मीडिया की छवि नकारात्मक बन चुकी है। इसीलिये भारतीय मीडिया को अक्सर सरकार का चमचा या गोदी मीडिया कहकर संबोधित करते हैं। पूर्व में हुये भारत-पाकिस्तान संघर्ष हों या वर्तमान में छिड़ा पश्चिम एशिया संघर्ष। गोदी मीडिया पर कई बार अपुष्ट व मनगढ़ंत ख़बरें चलाने के आरोप लग चुके हैं। कुछ देशों में भारतीय मीडिया को तो महज़ सत्ता के एजेंडे के प्रसार का माध्यम मात्र माना जाता है। आज इसी गोदी मीडिया ने सनसनीखेज़ झूठी व भ्रामक ख़बरें फैलाकर देश में बड़ा सामाजिक विभाजन पैदा कर दिया है। और मज़े की बात तो यह है कि सत्ता की चाटुकारिता व उसके एजेंडों को परोसने गोया इन्हीं हथकंडों के इस्तेमाल से जो जो मीडिया सत्ता की छवि गढ़ने की फ़िक्रमें सत्ता के सामने शाष्टांग दंडवत होने में कोई कसर नहीं छोड़ता वही मीडिया यह भूल जाता है कि उसके इस प्रयोग के चलते देश और दुनिया में ख़ुद भारतीय मीडिया की स्थिति क्या होती जा रही है? अनेक बार भारतीय अदालतें ऐसे मीडिया घरानों को डांट फटकार चुकी हैं। कई बार मीडिया पर नज़र रखने वाली सर्वोच्च संस्था एनबीएसए इनकी विवादित प्रस्तुतियों की आलोचना कर चुकी है व इन्हें निर्देशित कर चुकी है। कई बार इन्हें सज़ा भी हो चुकी है। कई बार चैनल पर मुआफ़ी भी मांग चुके हैं। कई बार यह अपने झूठे व भ्रामक ट्वीट भी डिलीट कर चुके हैं। इनके द्वारा फैलाई जाने वाली अफ़वाहों का कई बार पुलिस भी खंडन कर चुकी है। परन्तु इन सब के बावजूद गोदी मीडिया का भारतीय पत्रकारिता को कलंकित करने का अफ़सोसनाक खेल बदस्तूर जारी है।

आधी दुनिया
महेन्द्र तिवारी

लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का भविष्य

भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है, लेकिन प्रतिनिधित्व के स्तर पर यह लंबे समय तक आधा अधूरा रहा है क्योंकि जनसंख्या का लगभग आधा हिस्सा होने के बावजूद महिलाएं राजनीतिक संस्थाओं में पर्याप्त रूप से शामिल नहीं हो पाई हैं। इसी ऐतिहासिक असंतुलन को दूर करने के उद्देश्य से 2023 में पारित संविधान का संशोधन अधिनियम, जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम कहा जाता है, एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में सामने आया। यह अधिनियम लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान करता है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए भी उप आरक्षण शामिल है। यह कानून लगभग 27 वर्षों से चल रही बहस और राजनीतिक प्रयासों का परिणाम है। 19 सितंबर 2023 को इसे लोकसभा में प्रस्तुत किया गया और 20 तथा 21 सितंबर को दोनों सदनों से पारित कर दिया गया। 28 सितंबर 2023 को राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद यह संविधान का हिस्सा बन गया। इस अधिनियम का उद्देश्य स्पष्ट है, लेकिन इसकी वास्तविकता को समझने के लिए वर्तमान स्थिति पर नजर डालना जरूरी है। आज लोकसभा की 543 सीटों में से केवल 74 सीटों पर महिलाएं हैं, जो लगभग 13.6 प्रतिशत है। यह संख्या 2019 के 78 से थोड़ी कम है। वहीं देशभर में कुल 4666 सांसदों और विधायकों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 10 प्रतिशत के आसपास है। 2024 के लोकसभा चुनाव में कुल 8360 उम्मीदवारों में केवल 797 महिलाएं थीं, यानी लगभग 9.6 प्रतिशत, और लगभग 28 प्रतिशत सीटों पर कोई महिला प्रत्याशी ही नहीं था। यह आंकड़े इस बात को स्पष्ट करते हैं कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी अभी भी संरचनात्मक बाधाओं से घिरी हुई है। इसके विपरीत यदि पंचायती राज संस्थाओं को देखा जाए तो तस्वीर बिल्कुल अलग दिखाई देती है। यहां महिलाओं की भागीदारी लगभग 46.6 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है और कई राज्यों में यह 50 प्रतिशत से भी अधिक है। यह अनुभव इस बात का प्रमाण है कि जब आरक्षण को सही तरीके से लागू किया जाता है तो महिलाएं न केवल प्रतिनिधित्व प्राप्त करती हैं बल्कि प्रभावी नेतृत्व भी प्रस्तुत करती हैं। वैश्विक तुलना में भी भारत पीछे है। रवांडा में संसद में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 64 प्रतिशत है, क्यूबा में 53 प्रतिशत, निकारागुआ में 52 प्रतिशत और संयुक्त अरब अमीरात में 50 प्रतिशत। इस परिप्रेक्ष्य में भारत का आंकड़ा अपेक्षाकृत कम है, जो यह दर्शाता है कि केवल लोकतांत्रिक ढांचा पर्याप्त नहीं है, बल्कि समावेशी नीतियों की भी आवश्यकता होती है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इस कमी को दूर करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है, लेकिन इसके कार्यान्वयन से जुड़ी शर्तें इसे जटिल बना देती हैं। अधिनियम में जोड़ा गया अनुच्छेद 334ए यह स्पष्ट करता है कि महिलाओं के लिए आरक्षण तब तक लागू नहीं होगा, जब तक अगली जनगणना के आंकड़े प्रकाशित नहीं हो जाते और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती। इसका अर्थ यह है कि कानून पारित होने के बावजूद इसका प्रभाव तुरंत नहीं दिखेगा। यही बिंदु इस अधिनियम की सबसे बड़ी आलोचना का कारण भी बना हुआ है। 2021 की जनगणना पहले ही टल चुकी है और अब यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि नई जनगणना 2026 के बाद होगी। इसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया भी समय लेगी, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि महिलाओं का आरक्षण 2029 या उससे भी बाद के चुनावों में लागू हो सकता है। इस देरी को कई विशेषज्ञ न्याय में विलंब के रूप में देखते हैं। हालांकि सरकार और कुछ संवैधानिक विशेषज्ञों का तर्क है कि बिना अद्यतन जनसंख्या आंकड़ों के सीटों का पुनर्वितरण करना उचित नहीं होगा। संविधान के अनुसार परिसीमन एक आवश्यक प्रक्रिया है ताकि प्रतिनिधित्व समान और संतुलित रहे। इस प्रकार यह बहस केवल राजनीतिक नहीं बल्कि संवैधानिक भी है। इस प्रकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐसा कानून है जो सिद्धांत रूप में अत्यंत प्रगतिशील है, लेकिन व्यवहार में कई जटिलताओं से घिरा हुआ है। यह महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है, परंतु इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी शीघ्रता और प्रभावशीलता के साथ लागू किया जाता है। यदि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रियाओं को समय पर पूरा कर लिया जाता है तो यह अधिनियम भारत के लोकतंत्र को अधिक समावेशी और संतुलित बना सकता है। अन्यथा यह केवल एक अधूरी संभावना बनकर रह सकता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संघर्ष से आती है जीवंतता

संकलित
दर्शन

साधना संसार में है, जंगल में तो साधना का सवाल ही नहीं है। साधना यहां है, जहां प्रतिपल कांटे हैं। कांटों के बीच जिस दिन तुम चलना सीख लो और कांटों के बीच तो चलो और कांटे चुभें न, बस उसी दिन समझ लेना कि अब तुम योग्य हो गए। जंगल जाने की जरूरत भी क्या है। यहीं भीड़ में जंगल हो गया है, अगर तुम्हारे भीतर प्रौढ़ता आ जाए, तो प्रज्ञा का जन्म हो। प्रज्ञा का जन्म संघर्षण से होता है। प्रतिपल जीवन की चुनौतियों को स्वीकार करने से होता है। हारने, गिरने, उठने से होता है। हजार बार गाली दी जाएगी, तुम क्रोधित हो जाओगे। हजार बार के अनुभव से तुम्हें समझ में आ जाएगा कि अपने को जलाना व्यर्थ है। गाली कोई दूसरा दे रहा है, दंड अपने को देना व्यर्थ है। एक दिन तो ऐसा आएगा कि कोई दूसरा गाली देगा और तुम्हारे भीतर क्रोध न आएगा। उसी दिन तुम्हारे भीतर एक कांटा फूल बन गया। उस दिन तुम्हें जो शांति मिलेगी, कोई जंगल नहीं दे सकता। जंगल की शांति मुर्दा है। अगर यहां गालियों के बीच तुम शांत हो गए, तो तुम्हारी शांति में एक जीवंतता होगी। जंगल की शांति में सन्नाटा है, क्योंकि वहां कोई है ही नहीं। वह नकारात्मक है। संसार में अगर तुम शांत हो जाओ तो सकारात्मक है। जंगल की शांति मरने जैसी है, संसार की शांति बड़ी जीवंत है। परमात्मा को पाना है, तो भागना मत। भगोड़ों से परमात्मा का कभी कोई संबंध नहीं जुड़ता। कायरों से संबंध जुड़ भी कैसे सकता है? चुनौती स्वीकार करने वाला साहस चाहिए।

कोयला और चंदन

संकलित
प्रेरणा

चौधरी पहलवान का पूरा जीवन जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पित हुआ था। जब उनका अंतिम समय नजदीक आया तो उन्होंने अपने बेटे को पास बुलाया। बेटा पास आ गया तो उन्होंने उससे कहा-देखो बेटा, मैंने अपना सारा जीवन दुनिया को शिक्षा देने में गुजार दिया। अब अपने अंतिम समय में मैं तुम्हें कुछ जरूरी बातें बताना चाहता हूं। लेकिन इससे पहले जरा तुम एक कोयला और चंदन का एक टुकड़ा उठा कर ले लाओ। बेटे को पहले तो यह बड़ा अटपटा लगा, लेकिन उसने सोचा कि अब पिता का हुक्म है तो यह सब लाना ही होगा। उसने रसोई घर से कोयले का एक टुकड़ा उठाया। संयोग से घर में चंदन की एक छोटी लकड़ी भी मिल गई। वह दोनों को लेकर अपने पिता के पास पहुंच गया। उसे आया देख पहलवान बोले- बेटा, अब इन दोनों चीजों को नीचे फेंक दो। बेटे ने दोनों चीजें नीचे फेंक दीं और हाथ धोने जाने लगा तो पहलवान बोले- जरा ठहरो बेटा। मुझे अपने हाथ तो दिखाओ। बेटे ने हाथ दिखाए तो वह उसका कोयले वाला हाथ पकड़ कर बोले, देखा तुमने। कोयला पकड़ते ही हाथ काला हो गया। लेकिन उसे फेंक देने के बाद भी तुम्हारे हाथ में कालिख लगी रह गई। गलत लोगों की संगति ऐसी ही होती है। उनके साथ रहने पर भी दुख होता है और उनके न रहने पर भी जीवन भर के लिए बदनामी साथ लग जाती है। दूसरी ओर सज्जनों का संग इस चंदन की लकडी की तरह है जो साथ रहते हैं तो दुनिया भर का ज्ञान मिलता है और उनका साथ छूटने पर भी उनके विचारों की महक जीवन भर बनी रहती है।

अंतर्मन

आज की पाती

बच्चों की परीक्षाएं और क्रिकेट का उन्माद

हद होती है हर चीज की। लगभग चौबीस घंटे, बारह महीने क्रिकेट ही क्रिकेट का असहनीय शोर-शराबा। सबको मालूम है न कि भारत में मार्च-अप्रैल महीने विद्यार्थियों के लिए कितने ही अधिक महत्वपूर्ण हैं! आईपीएल तो हर साल ही होता है, और इस बार ये 'टी-20 वर्ल्ड कप' का हल्ला-गुल्ला भी निरंतर चलता रहा है। इन्हीं दो महीनों में लगभग सारे भारत के सभी स्कूलों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राओं के विभिन्न प्रकार की बहुत सारी परीक्षाएं और एंट्रेंस टेस्ट होते हैं। ऐसे में देश के हर शहर, कालोनी, नुक्कड़, गली-मोहल्ले, गांव-देहात में घर-बाहर क्रिकेट का ये सर्वथा गैर-जरूरी शोर, हो-हल्ला तथा अवांछित चर्चाएं गंभीर और मेधावी विद्यार्थियों के लिए बड़ी चुनौती बने रहते हैं।

- प्रवीण जोशी, भाटापारा

ट्रेंड

उत्तर प्रदेश में अब शांति

आज उत्तर प्रदेश में कोई अशांति नहीं है, सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ी जा रही है, मस्जिदों से माइक्रोफोन की आवाज नहीं आ रही है, कोई गोहत्या नहीं हो रही है, न ही लव जिहाद की कोई घटना घट रही है।

- **योगी आदित्यनाथ**, सीएम, उप्र

टीएमसी की धारणा

असम में दस साल से भाजपा की सरकार है, लेकिन वहां के लोग मांसाहारी भोजन खाते हैं। तो फिर टीएमसी बंगाल में यह गलत धारणा क्यों फैला रही है कि भाजपा बंगाल में मांसाहारी भोजन पर प्रतिबंध लगा देगी ?

- **हिमंता बिस्वा सरमा**, सीएम, असम

परिसीमन पर छल

हम महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन करते हैं, लेकिन इस सरकार द्वारा इसे पेश करने का तरीका राजनीतिक रूप से प्रेरित है। हमारी मांग है कि इस संशोधन को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के बजाय इसे लागू करें। दूसरा, सरकार परिसीमन पर छल कर रही है।

- **मल्लिकार्जुन खरगे**, अध्यक्ष, कांग्रेस

कच्चे तेल की कीमतें

आरबीआई के पूर्वानुमानों के आधार पर, लगता है कि कच्चे तेल की कीमतों में आए अचानक उछाल के शांत होने के बाद ही ब्याज दरों में वृद्धि शुरू होगी। हालांकि, चिंता की बात यह है कि तब तक, जीएसटी युक्तिकरण के माध्यम से हासिल किया गया मूल्य सुधार बेअसर हो सकता है।

- **स्वामीनाथन पद्मनाभन**, उद्यमी

करंट अफेयर

लंदन में भारतीय उच्चायोग ने आंबेडकर की जयंती मनाई

लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने पुष्पांजलि अर्पित कर 'भारत रत्न' डॉ. बी. आर. आंबेडकर की 136वीं जयंती मनाई और समानता के बाबासाहेब के संदेश पर विचार साझा किया। बुधवार शाम को 'इंडिया हाउस' के आंबेडकर हॉल में आयोजित कार्यक्रम में 'फेडरेशन ऑफ अंबेडकराइट एंड बुद्धिस्ट ऑर्गेनाइजेशन्स' (एफएबीओ) ब्रिटेन के सदस्यों, छात्रों और समुदाय के नेताओं द्वारा भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता के दूरगामी सामाजिक-आर्थिक योगदान की प्रशंसा में काव्यात्मक प्रस्तुतियों से माहौल जीवंत हो उठा। इस मौके पर आंबेडकर के जीवन और करियर की कई प्रमुख घटनाओं को शामिल करते हुए एक वीडियो दिखाया गया, जिसमें लंदन में विधि छात्र के रूप में बिताये गए उनके समय को भी प्रदर्शित किया गया। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दुरईस्वामी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'आंबेडकर का यह संदेश कि लोकतंत्र का सार इस विचार में निहित है कि हम सभी लोगों के साथ समान व्यवहार करें, एक आधुनिक राष्ट्र के लिए काफी महत्व रखता है।' उन्होंने कहा, और बेशक, यह एक ऐसी यात्रा है जो न केवल भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में अब भी जारी है। हम लगातार असमानता और लैंगिक एवं सामाजिक आधार पर हिंसा के दौर में जी रहे हैं।

ऑफ बीट

भोजन और दवाएं बदल सकती हैं त्वचा का रंग

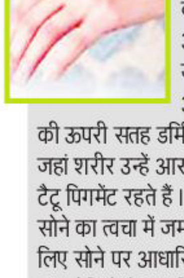

जब हांगकांग में 84 वर्षीय एक व्यक्ति बढ़े हुए प्रोस्टेट के साथ अस्पताल गया, तो डॉक्टर यह देखकर चौंक गए कि उसकी त्वचा - और यहाx तक कि उसकी आँखों का सफेद भाग भी धूसर रंग का हो गया था। ये मामले आर्गिरिया नामक स्थिति के उदाहरणों को दर्शाते हैं, जिसमें शरीर में चांदी के कण जमा हो जाते हैं। चांदी कभी अपने रोगाणुरोधी गुणों के कारण चिकित्सा उपचारों में मुख्य आधार थी। लेकिन आधुनिक साक्ष्य दर्शाते हैं कि बहुत अधिक मात्रा में इसके सेवन या अवशोषण से व्यक्ति की त्वचा में ऐसे परिवर्तन हो सकते हैं जो शायद ही कभी फीके पड़ते हैं। आर्गिरिया में, चांदी के आयन रक्तप्रवाह के माध्यम से प्रसारित होते हैं और त्वचा की ऊपरी सतह डर्मिस में समा जाते हैं। डर्मिस सतह के नीचे की एक परत है जहां शरीर उन्हें आसानी से साफ नहीं कर सकता है। यह वह परत है जिसमें टैटू पिगमेंट रहते हैं। इसी तरह की एक दुर्लभ घटना क्रिसियासिस है, जिसमें सोने का त्वचा में जमाव होता है। अतीत में पहले कभी सूजन संबंधी विकारों के लिए सोने पर आधारित उपचार किए जाते थे। कुछ मामलों में, इन उपचारों के बाद रोगियों में एक विशिष्ट भूरा या भूरा-बैंगनी रंग का विरंजन विकसित हुआ, जो आर्गिरिया की तरह, आसानी से ठीक नहीं किया जा सकता था।

रॉयल पत्रिका

महिला आरक्षण पर अशोक गहलोत की चिंता: "दक्षिण में फिर न भड़क जाए आंदोलन"

जयपुर। केंद्र सरकार द्वारा बुलाए गए विशेष सत्र और 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में प्रस्तावित संशोधन को लेकर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गंभीर चिंताएं जताई हैं। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण का सभी दल समर्थन करते हैं, लेकिन जिस तरह से परिसीमन और जनगणना के आधार को बदला जा रहा है, वह संवेदनशील मुद्दा है और इससे देश के विभिन्न हिस्सों, खासकर दक्षिण भारत में असंतोष बढ़ सकता है। गहलोत ने कहा कि केंद्र सरकार 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाने पर विचार कर रही है, जबकि पहले यह कहा गया था कि नई जनगणना के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया कि जब 2021 की जनगणना लंबित है और अधिकारी 2027 तक इसे पूरा करने की बात कर रहे हैं, तो फिर पुराने आंकड़ों के आधार पर परिसीमन क्यों किया जा रहा है।

"साउथ की चिंताओं को गंभीरता से लें"

अशोक गहलोत ने कहा कि दक्षिण भारत के कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इस मुद्दे पर अपनी नाराजगी और आशंकाएं जाहिर की हैं। उनका मानना है कि अगर दक्षिण के लोगों को यह महसूस हुआ कि उत्तर भारत उन पर अपनी बात थोप रहा है या उनकी राजनीतिक स्थिति को कमजोर किया जा रहा है, तो हालात बिगड़ सकते हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, "1950-60 के दशक में दक्षिण भारत में जो आंदोलन हुए थे, वैसी स्थिति दोबारा नहीं बननी चाहिए। यह बहुत संवेदनशील मामला है और इसे संभलकर आगे बढ़ाने की जरूरत है।"

"जल्दबाजी और साजिश की आशंका"

गहलोत ने केंद्र सरकार पर जल्दबाजी का आरोप लगाते हुए कहा कि जब कुछ राज्यों में चुनाव चल रहे हैं, तब संसद का विशेष सत्र बुलाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी सुझाव दिया था कि चुनाव के बाद सत्र बुलाया जाए, लेकिन सरकार ने इसे नजरअंदाज किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार महिला आरक्षण के नाम पर विपक्ष को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। गहलोत ने कहा, "अगर पहले 2021 की जनगणना के आधार पर कानून लागू करने की बात कही गई थी, तो अब अचानक 2011 के आंकड़ों को आधार बनाना सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करता है।"

"महिला आरक्षण का समर्थन, लेकिन तरीका सही हो"

पूर्व मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि वह महिला आरक्षण के विरोध में नहीं हैं, बल्कि इसके लागू करने के तरीके पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर सही प्रक्रिया और पारदर्शिता के साथ यह कानून लागू किया जाए, तो यह देश के लिए ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने जा रहे पत्रकारों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

-शिप्रा पथ थाने में लेजा कर दर्शाई गिरफ्तारी

मोहम्मद अली पठान

जयपुर/चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर मे प्रदेश में पत्रकार की आजिविका पर बुलडोजर, झूठे मुकदमों तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमलों के विरोध में Indian Federation of Working Journalists (आईएफडब्ल्यूजे) के बैनर तले जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर चल रहा धरना गुरुवार को 19वें दिन राज्य सरकार की हठधर्मिता को देखते हुए उग्र रूप लेने लगा। प्रदेशभर से सैकड़ों पत्रकारों ने शहीद स्मारक पर एकत्रित होकर सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए 'हल्ला बोल' प्रदर्शन किया। धरने का मुख्य मुद्दा एक वरिष्ठ पत्रकार की आजीविका पर प्रशासनिक कार्रवाई के तहत बुलडोजर चलाने और प्रदेश में बढ़ते रंजिशन झूठे मुकदमों का विरोध रहा। पत्रकारों ने इसे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा प्रहार बताते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग उठाई।

इस दौरान सिविल लाइंस विधायक व वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा धरनास्थल पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से संवाद किया। प्रदेशाध्यक्ष उपेंद्र सिंह राठौड़, महासचिव मनवीर सिंह चुंडावत और प्रदेश सचिव विक्रम सिंह करनोत को पूर्ण आश्वस्त करते हुए मामले को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के समक्ष उठाकर निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया। धरना प्रदर्शन के बाद बड़ी संख्या में पत्रकार मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर ज्ञापन देने के लिए मुख्यमंत्री आवास की ओर रवाना हुए। इस दौरान शहीद स्मारक के बाहर पुलिस ने बेरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को रोक लिया और आगे बढ़ने की कोशिश पर कई पत्रकारों को हिरासत में लेकर शिप्रा पथ थाना ले जाया गया। धरने में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दिनेश बोहरा, जैसलमेर जिलाध्यक्ष गणपत दैय्या, सिरोही जिलाध्यक्ष अशोक कुमावत सहित गणेश प्रजापति, नकुल शर्मा, बलवीर सैनी, सुनील यादव, आकाश शर्मा, दुर्गेश कुमार लक्षकार, उमेश लवानिया और खीवराज सिंह एवं चूरू से गए पत्रकारों समेत बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे। पत्रकारों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा, संगठन की कोर कमेटी बैठक में तय होगा अगला चरण।

जयपुर में मिलावट पर बड़ी कार्रवाई: 1422 लीटर घी सीज, कई खाद्य पदार्थ जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेशभर में मिलावट के खिलाफ निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 'शुद्ध आहार एवं मिलावट पर वार' अभियान के तहत जयपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर सघन निरीक्षण एवं सैंपलिंग की कार्रवाई की गई। खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि मैसर्स शंकर एजेंसी का निरीक्षण कर गुलकंद सिरप, गवावा क्रश, पपीता प्रिजर्व फूड, सोया सॉस, चिली सॉस एवं कॉन्टिनेंटल सॉस के कुल 6 नमूने लिए गए। मिलावट के संदेह पर मौके पर 99 लीटर गुलकंद सिरप, 22 लीटर गवावा क्रश, 97 किलोग्राम पपीता प्रिजर्व फूड, 142 किलोग्राम सोया सॉस,

78 किलोग्राम ग्रीन चिली सॉस, 120 किलोग्राम कॉन्टिनेंटल सॉस को सीज किया गया। इसके अतिरिक्त अविधपार 175 किलो कस्टर्ड पाउडर, 240 किलो चेरी पपीता फ्रूटी एवं 750 किलो फलूदा नष्ट करवाया गया। अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह ने बताया कि अनु मिल्क प्रोडक्ट्स लिमिटेड का निरीक्षण कर घी बिलौना के बैच नं. 024 एवं घी डेयरी फ्रेश के बैच नं. 23 के नमूने लिए गए। मौके पर 1422 लीटर घी सीज किया गया। उल्लेखनीय है कि बिलौना घी के बैच नं. 029 का नमूना असुरक्षित पाए जाने पर संबंधित बैच के विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया है तथा संबंधित विक्रेताओं एवं निर्माताओं को इसे बाजार में न बेचने के निर्देश दिए गए है।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की ओर से संविधान जागरुकता एवं एकता कार्यक्रम आयोजित

-प्रदेश कॉर्डिनेटर नासिर मिर्ज़ा का हुआ सम्मान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग की जानिब से पीसीसी मुख्यालय जयपुर में संविधान जागरूकता एवं एकता सम्मेलन का कार्यक्रम अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष एमडी चौबदार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारिणी अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारी का स्वागत सम्मान भी किया गया। इसी क्रम में अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश कॉर्डिनेटर हाजी नासिर मिर्ज़ा का प्रदेश अध्यक्ष एमडी चौबदार और जयपुर कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष सुनील शर्मा द्वारा शॉल ओर माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान प्रदेश भर से कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग से जुड़े पदाधिकारी ओर जिलाध्यक्ष मौजूद रहे।

नेत्र चिकित्साए सेवा आध्योत्मिक साधना – देवनानी

-150 वें नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का शुभारम्भव किया देवनानी ने

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्था न विधान सभा अध्य।क्ष वासुदेव देवनानी ने अशोका फाउण्डेकशन द्वारा यहां श्री नृसिंह मंदिर में आयोजित 150वें नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का दीप प्रज्व्देवलित कर शुभारम्भ किया। स्पीसकर देवनानी ने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नेत्र चिकित्सा शिविरों के माध्यम से जरूरतमंद एवं निर्धन वर्ग के लोगों को निःशुल्क जांच, परामर्श एवं उपचार की सुविधा मिलती है, जो एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि नेत्र चिकित्साल सेवा आध्यारत्मिक साधना है। देवनानी ने श्री नृसिंह मंदिर में दर्शन और पूजा कर प्रदेश की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि समाज में सच्चा और स्थायी परिवर्तन सरकारी नीतियों या योजनाओं से अकेले नहीं आता है बल्कि यह ऐसे निस्वार्थ सेवा-भाव, समर्पण और हर व्यक्ति के भीतर अपने कर्तव्य व मानवता के प्रति जागरूकता का संचार करने के सामूहिक प्रयासों से आता है। जब समाज जागरूक होकर, आगे बढ़कर सेवा का कार्य करता है, तब ही राष्ट्र सशक्त, समृद्ध और संस्कारवान बनता है। देवनानी ने कहा है कि यह 150वाँ शिविर केवल एक उपलब्धि का उत्सव नहीं है, बल्कि सेवा यात्रा का महत्वैपूर्ण पडाव है। यह

हमें प्रेरित करता है कि सेवा का यह पावन दीपक कभी बुझने न पाए। इसे और अधिक प्रज्व्। सलित करना है साथ ही अधिक से अधिक लोगों की मदद करनी है। उन्होंने कहा कि यदि हम गहराई से देखें तो यह नेत्र चिकित्सा सेवा केवल सामाजिक कार्य नहीं बल्कि आध्यात्मिक साधना है। जब किसी की आंखों में प्रकाश लौटता है, तो वह व्यक्ति केवल बाहरी दुनिया को नहीं देखता वह अपने भीतर के अस्तित्व को, अपने जीवन के सार्थक आयामों को और ईश्वर की अनंत कृपा को भी नए सिरे से अनुभव करता है। सेवा और साधना यहां एकाकार हो जाते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सकों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए देवनानी ने उनके प्रयासों को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

शहरी विकास योजनाओं में तेजी पर जोर, 75 हजार आवास स्वीकृति का लक्ष्य

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य में शहरी विकास कार्यों को गति देने और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सचिवालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (PMAY-U 2.0), स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (SBM-U) और राजस्थान अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (RUIDP) के तहत चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में निर्देश दिए गए कि वित्तीय वर्ष 2026–27 के दौरान पीएमएवाई (शहरी) के अंतर्गत लगभग 75 हजार आवासों की स्वीकृति सुनिश्चित की जाए। साथ ही पात्र लाभार्थियों को करीब 475 करोड़ रुपये की अनुदान राशि समय पर वितरित करने पर जोर दिया गया। जिला स्तर पर योजना की रैंकिंग की नियमित समीक्षा के भी निर्देश दिए गए, ताकि कार्यों में प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता बनी रहे। इंटरेस्ट सब्सिडी स्कीम के तहत लाभार्थियों तक समय पर सहायता पहुंचाने के लिए राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के अंतर्गत वर्ष 2026–27 में लगभग 600 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना पर चर्चा की गई। मिशन के तहत प्रत्येक माह वेबिनार आयोजित कर नगरीय निकायों के श्रेष्ठ कार्यों को साझा करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट्स को बढ़ावा देने और स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में स्वच्छता के बेहतर मॉडलों को अपनाने की बात कही गई और सभी नगरीय निकायों को स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत फील्ड विजिट कर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए। RUIDP के पांचवें चरण के तहत एशियन डेवलपमेंट बैंक और वर्ल्ड बैंक से प्राप्त लगभग 9,501 करोड़ रुपये के ऋण से 67 शहरों में वेस्ट वाटर, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और अर्बन मोबिलिटी से जुड़े कार्यों को गति देने के निर्देश दिए गए। साथ ही पूर्व चरणों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आमजन को आधारभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

डीपीएनजी कनेक्शन बढ़ाने के निर्देश, शिविर लगाकर एलपीजी फ्री जोन बनाने की तैयारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य में पाइपलाइन से घरेलू गैस (डीपीएनजी) कनेक्शन को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम श्रीमती अपर्णा अरोरा ने सीजीडी संस्थाओं को जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध तरीके से कॉलोनियों को एलपीजी फ्री जोन घोषित करने की कार्ययोजना बनाई जाए, ताकि लोगों को 24×7 सुरक्षित, सस्ती और हरित गैस सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। सचिवालय से वर्चुअल बैठक के दौरान श्रीमती अरोरा ने कहा कि जहां पीएनजी आधारभूत संरचना विकसित हो चुकी है, वहां तेजी से डीपीएनजी कनेक्शन जारी कर अधिक से अधिक लोगों को इस सुविधा से जोड़ा जाए। उन्होंने बताया कि पिछले 15 दिनों में करीब 6 हजार परिवारों को डीपीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं, जबकि अगले 15 दिनों में लगभग 8500 परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने जिला कलक्टरों को सीजीडी संस्थाओं के साथ नियमित बैठकें करने, नोडल अधिकारी नियुक्त करने और कॉलोनीवार शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही

शिविरों की पूर्व सूचना देकर नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। औद्योगिक क्षेत्रों में भी पीएनजी सेवाओं के विस्तार के निर्देश दिए गए, जिनमें पाली का टेक्सटाइल क्लस्टर, गिलोठ, महेन्द्रा सेज, विश्वकर्मा, भीलवाड़ा और कोटा सहित विभिन्न रीको क्षेत्रों को प्राथमिकता में रखा गया है। इसके अलावा मल्टी स्टोरी बिल्डिंग, हॉस्टल, ढाबों, अस्पतालों और रेस्टोरेंट्स में भी प्राथमिकता से कनेक्शन जारी करने को कहा गया। मानव संसाधन की कमी को दूर करने के लिए आरएसएलडीसी के माध्यम से प्रशिक्षित प्लंबरों की सूची उपलब्ध कराई जा रही है। सीजीडी संस्थाओं को निर्देश दिए गए कि इन प्लंबरों को आवश्यक प्रशिक्षण देकर कनेक्शन जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, जिससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी और सीजीडी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

तीन माह का सड़क सुरक्षा अभियान शुरू, टोंक रोड बनेगा आदर्श यातायात पथ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिला कलक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में शहर में यातायात को सुरक्षित, सुगम और दुर्घटनारहित बनाने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। जिला कलक्टर ने कहा कि जयपुर देश-विदेश के पर्यटकों के लिए एक महत्वपूर्ण शहर है, इसलिए यहां के नागरिकों और सैलानियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप यादगार अजमेरी गेट से सांगानेर तक टोंक रोड को आदर्श यातायात पथ के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, पुलिस प्रशासन, परिवहन विभाग और सार्वजनिक निर्माण विभाग सहित विभिन्न एजेंसियां मिलकर कार्य करेंगी। साथ ही आमजन से भी सहयोग की अपील की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि अप्रैल माह

से तीन माह तक शहर में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत सड़कों की मरम्मत, सीवरेज मेनहॉल की ठीक व्यवस्था, साइनेज लगाना, जेब्रा क्रॉसिंग को दुरुस्त करना, डिवाइडर और ट्रैफिक लाइट्स की मरम्मत जैसे कार्य किए जाएंगे। इसके साथ ही ओवरलोडेड वाहनों, ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन, सीट बेल्ट और हेलमेट का उपयोग नहीं करने तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। विद्यालयों में भी विशेष कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दी जाएगी। उन्हों सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक सिग्नल और सुरक्षित तरीके से सड़क पार करने के बारे में जागरूक किया जाएगा। जिला कलक्टर ने ब्लैक स्पॉट्स को दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बताते हुए उनके सुधार पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जयपुर के 88 ब्लैक स्पॉट्स में से 34 पर सुधार कार्य जारी है, जबकि 53 स्थानों पर सुधार पूरा किया जा चुका है। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं सड़क सुरक्षा से जुड़ी एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

डीजीपी ने समाज के तीन उन असली नायकों को सम्मानित किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेशभर में ऐसे कई लोग हैं जो आपदा प्रबंधन के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों में, महिला एवं बाल अत्याचार के मामलों में सहित विविध अपराधों की रोकथाम तथा अपराधियों की गिरफ्तारी में सहायक सूचनाएं उपलब्ध कराने और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने सहित अन्य प्रकार से पुलिस कार्यों में उल्लेखनीय सहयोग देते हैं। सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करने वाले इसी प्रकार के लोगों के कार्यों को प्रोत्साहित करने व अन्य लोगों को भी प्रेरित करने के उद्देश्य से राजस्थान पुलिस के 77वें स्थापना दिवस के गौरवशाली अवसर पर राजस्थान पुलिस ने समाज के उन अनसंग हीरोज का सम्मान किया जिन्होंने निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा कर पुलिस का सहयोग किया है। समारोह की सांस्कृतिक संध्या के दौरान महानिदेशक पुलिस राजीव शर्मा ने सिरोही के प्रकाश प्रजापति, झालावाड़ के सुजीत कश्यप और उदयपुर की सिंधु बिनुजीत को उनके उल्लेखनीय सामाजिक योगदान के लिए राज्य स्तरीय प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

डीजीपी शर्मा ने कहा कि पुलिस और समाज के बीच की यह भागीदारी ही एक सुरक्षित और संवेदनशील प्रदेश की नींव है। उन्होंने इन तीनों के कार्यों को पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा का पुंज बताया। शर्मा ने कहा कि पुलिसिंग केवल अपराधियों को पकड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के साथ मिलकर एक सुरक्षित वातावरण बनाना भी है। उन्होंने प्रकाश प्रजापति, राम कश्यप और सिंधु बिनुजीत के कार्यों को अनुकरणीय बताया।

इनके कार्यों का हुआ सम्मान—

प्रकाश प्रजापति (सिरोही): 27 वर्षों से मानवता के अनन्य उपासक-

सिरोही के समाजसेवी प्रकाश प्रजापति पिछले 27 वर्षों से पुलिस और प्रशासन के 'संकटमोचक' बने हुए हैं। इन्होंने अब तक 1584 लावारिस एवं दुर्घटना में मृत शवों को निःशुल्क गंतव्य तक पहुंचाया और विधि-विधान से अंतिम संस्कार कर मानवता का फर्ज निभाया। कोरोना काल जब लोग अपनों को छूने से कतरा रहे थे, तब प्रकाश जी ने 360 कोरोना पॉजिटिव शवों का अंतिम संस्कार करवाया। स्वयं देहदान की घोषणा करने के साथ ही इन्होंने 19 अन्य लोगों को भी इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया है।

सुजीत कश्यप उर्फ राम कश्यप (झालावाड़): जीवन बचाने का जुनून-

झालावाड़ के राम कश्यप ने कई मौकों पर 'देवदूत' बनकर लोगों की जान बचाई है। दिसंबर 2025 की कड़ाके की ठंड में झाड़ियों में लावारिस छोड़े गए एक नवजात की जान बचाकर उन्होंने न केवल अस्पताल पहुंचाया बल्कि पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराकर उसे कानूनी संरक्षण दिलाया। सड़क दुर्घटनाओं से लेकर मेले में हुए हादसों और कोटा रेफर किए गए गंभीर मरीजों के साथ ये साये की तरह खड़े रहे। वर्ष 2022 की बाढ़ के दौरान उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर 15-20 परिवारों को सुरक्षित निकाला।

श्रीमती सिंधु बिनुजीत (उदयपुर): बच्चों के भविष्य की रक्षक—

संभाग स्तरीय बाल सुरक्षा सलाहकार सिंधु बिनुजीत ने स्मार्ट पुलिसिंग और बाल संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया है। डूंगरपुर से शुरू हुआ उनका बाल मित्र थाना और सुरक्षित विद्यालय नवाचार पूरे उदयपुर रेंज में मिसाल है। उन्होंने वत्सल वार्ताओं के माध्यम से बच्चों और पुलिस के बीच के डर को आत्मीयता में बदल दिया। यूनिसेफ के साथ मिलकर इन्होंने बी.टी. कॉटन क्षेत्रों में होने वाले बाल श्रम और पलायन को रोकने में निर्णायक भूमिका निभाई, जिसकी सराहना स्वयं मुख्यमंत्री द्वारा भी की जा चुकी है।

उपायुक्त जसवानी ने समर्थन मूल्य गेहूं खरीद केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग उपायुक्त चंदीराम जसवानी ने गुरुवार को समर्थन मूल्य पर तौल कांटे पलायधा (तिलम संघ), अंता (राजफैड) एवं बारां (एफसीआई) का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान तौल केन्द्र पलायथा में मौके पर ही किसानों से संवाद कर गत बैकलॉग का समय पर उठाव सुनिश्चित करने, गुणवत्तायुक्त बारदाना उपलब्ध करवाने एवं किसानों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण के लिए निर्देशित किया। तौल केन्द्र अंता पर सम्बंधित केन्द्र प्रभारी की लापरवाही के मद्देजर नोटिस जारी करने तथा किसानों के पंजीकरण अनुसार प्राथमिकता से गेहूं तुलाई एवं पारदर्शिता पूर्ण कार्य करते हुए गत बैकलॉग का समय पर उठाव सुनिश्चित करने सहित किसानों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए निर्देशित किया। जिला रसद अधिकारी विश्वजीत सिंह ने बताया कि जिले में 92 हजार 215 मेट्रिक टन निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध 24 हजार मेट्रिक टन लगभग 26 प्रतिशत गेहूं खरीद संबंधित एजेंसियों द्वारा की जा चुकी है। जिले में पर्याप्त मात्रा में बारदाना उपलब्ध है। उपायुक्त जसवानी द्वारा सभी खरीद केन्द्रों पर 2 दिवस में बैकलॉग समाप्त करते हुए किसानों की कतारों को कम किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने खरीद केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं क्लीनर, माश्चर, ड्रायर एवं छाया पानी इत्यादि की व्यवस्थाएं तथा 48 घंटे में किसानों को भुगतान की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए सम्बंधित एजेन्सियों के प्रतिनिधियों तथा गुणवत्तायुक्त बारदाने के लिए एफसीआई प्रतिनिधियों को निर्देशित किया। गेहूं खरीद में प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं का पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए विभागीय दिशा निर्देशों का पूर्ण पालना सुनिश्चित करने को कहा। इस मौके पर प्रवर्तन निरीक्षक रविन्द्र मीना एवं संतोष मीना उपस्थित रहे।

भाजपा की मीडिया, सोशल मीडिया एवं आईटी विभाग की कार्यशाला संपन्न

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी जिला सवाई माधोपुर की मीडिया, सोशल मीडिया एवं आईटी विभाग की जिला कार्यशाला आज जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की अध्यक्षता में जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुई । भाजपा जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि कार्यशाला का शुभारंभ महापुरुषों के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ, कार्यशाला मे मुख्य वक्ता के रूप प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट एडवोकेट शैलेन्द्र सिंह धाबाई उपस्थित रहे । जिला कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी एडवोकेट शैलेंद्र सिंह ने कहा कि हमारी पार्टी में मीडिया, सोशल मीडिया एवं आईटी विभाग बहुत ही महत्वपूर्ण है, इनके माध्यम से हमारे कार्यकर्ता पार्टी को और अधिक मजबूती प्रदान करने में अग्रणी रहते है । सोशल मीडिया पर आमजन से जुड़ी विस्तृत जानकारी नीचे तक पहुंचाने में हमारी पार्टी पूरे राजस्थान में पहले नंबर पर है, शैलेन्द्र धाबाई ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि पूरा देश डिजिटल हो जिससे हमारा देश विकसित हो सके ।

कार्यशाला को जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने भी संबोधित किया, उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का आज के युग में अलग ही महत्व है हम डिजिटल युग की और धीरे धीरे नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अग्रसर हो रहे है । जिलाध्यक्ष मानसिंह में सरल एप, नमो एप, मन की बात कार्यक्रम सहित संगठन से जुड़े कई विषयों पर उपस्थित वॉलिंटियर्स को मार्गदर्शन दिया । कार्यशाला से पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने सर्किट हाउस में जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी का सवाई माधोपुर आगमन पर अभिनंदन भी किया। सोशल मीडिया कार्यशाला में पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश जैन, डॉ. भरतलाल मथुरिया, जिला महामंत्री जगदीश अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण धाकड़, हरिओम गर्ग, जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा, जिला कार्यालय मंत्री मुकेश शर्मा, कुशलता मंडल अध्यक्ष मनराज गुर्जर, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मुरली गौतम, महिला मोर्चा पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष मथुरिया, आईटी संयोजक नितेश मोदी, सोशल मीडिया संयोजक सारांश जैन, सहसंयोजक मेहनाज पटेल, बजरिया मंडल अध्यक्ष रितेश भारद्वाज, मंडल प्रवक्ता ओमप्रकाश शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष अजय बसवाल, सतीश शर्मा, अजय गौतम, विष्णु सैनी, सीताराम गुर्जर, भागचंद सैनी सहित आईटी एवं सोशल मीडिया के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गर्मी में पक्षियों के लिए परिंडे लगाने का लिया संकल्प

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर परिंडे लगाने का संकल्प लिया रॉयल विकलांग विकास संस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अख्तर खान रूकनखानी ने भीषण गर्मी एवं पेयजल की समस्या को देखते हुए शहर के सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए परिंडे लगाने का संकल्प लिया है इसी कड़ी में आज इन्दिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल एवं पंखा सर्किल कब्रिस्तान में परिंडे लगाकर शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में स्कूल के बच्चे व प्रधानाध्यापिका सबिना बानो, शिक्षा अनुदेशक असलम खान, शिक्षा अनुदेशक जान मोहम्मद, शिक्षा अनुदेशिका अल्लादेई, स्कूल प्रबंधन समिति सचिव हाजी यूसुफ खान रूकनखानी, समाजसेवी डॉ. युनस खान रूकनखानी, जिया खान, आरुशाह खान, जैनब खान आदि उपस्थित रहे।

खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अमीन पठान का बारां आगमन पर स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश कोऑर्डिनेटर हाजी नासिर मिर्जा ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अमीन पठान अटरू में आयोजित डे नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह में जाते समय निजी आवास कोटा रोड़ गजनपुरा पर तशरीफ़ लाए। सेवादल के प्रदेश सचिव अशरफ देशवाली और डीसीसी उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी के नेतृत्व में मिर्जा हाउस पर गर्मजोशी के साथ अमीन पठान और उनके साथ आए पूर्व रणजी क्रिकेटर मोहम्मद अहमद, रफीक भाई सहित तमाम साथियों का पगड़ी और माला पहनकर इस्तकबाल किया गया। इस दौरान बारां जिले के राजनीतिक विषय पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश कोऑर्डिनेटर हाजी नासिर मिर्जा, सेवादल के जिला अध्यक्ष शिवशंकर यादव, जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व जिला अध्यक्ष शाहिद कुंडी, पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी, नियाज मोहम्मद, मोहम्मद शाहिद, सोहेल मिर्जा, डॉक्टर साजिद मिर्जा, आबिद मिर्जा, शोएब मिर्जा, समाहिर मिर्जा, सरहान मिर्जा, साद मिर्जा, अली पठान सहित कई लोग मौजूद रहे।

ओबीसी वेलफेयर सोसाइटी ने जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

चुरु (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जिला ओबीसी वेलफेयर सोसायटी ऑफ इंडिया चुरु का एक प्रतिनिधिमंडल गिरधारी लाल सैनी राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में लोकसभा, विधानसभा में महिलाओं को ओबीसी को आरक्षण देने, जाति जनगणना में ओबीसी की भी जनगणना कराने आदि मांगों को लेकर जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्य पाल, मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया है। प्रतिनिधि मंडल जिला अध्यक्ष ओबीसी वेलफेयर सोसायटी आफ इन्डिया चुरु, एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति जिला अध्यक्ष ओबीसी वेलफेयर सोसाइटी ऑफ इंडिया चूरू,जिला उपाध्यक्ष च्यानण मल सैनी, घड़सीराम स्वामी, संरक्षक डॉ. अशोक कुमार जांगिड़, थानेदार भंवर सिंह परिहार हरीकिशन जांगीड़, महावीर स्वामी, मगन बालाण,सुभाष सैनी, सांवर मल सैनी डुंगर सिंह सोनगरा मदनलाल मेघवाल आदि सम्मिलित थे।

नागरिक सुरक्षा के लिए चीफ वार्डन मनोनित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोक बन्धु द्वारा नागरिक सुरक्षा की वार्डन सेवा के चीफ वार्डन पद पर राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक वर्मा एवं अतिरिक्त चीफ वार्डन पद पर उत्तम गुरबक्शानी का मनोनयन किया गया है। दोनों पदाधिकारी कार्यालय से समन्वय स्थापित कर स्वयं सेवकों के प्रशिक्षण, ड्यूटियों, तैनाती सहित नागरिक सुरक्षा गतिविधियों में कार्यालय के सहयोग एवं अन्य सभी अधीनस्थ वार्डन पदों पर योग्य स्वयं सेवकों का मनोनयन का कार्य संभालेंगे।

पीर ग़ुलाम नसीर नज़मी सुलैमानी सज्जादानशीन दरगाह फतेहपुर ने पत्रकार मोहम्मद अली पठान को किया सम्मानित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भाई जी चौक स्थित राणा जी के नोहरे में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कोम चेजारा की तरफ से महम्मुद अली राणा के नेतृत्व में दरगाह शरीफ हज़रत ख़्वाजा हाजी मुहम्मद नजमुद्दीन सुलैमानी फ़तेहपुर शेखावाटी के मुख्य गद्दिनशीन का चूरू पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया जीसमें 51 किलो की फूलमाला एवं फुल बरसाकर कोम चेजारान की तरफ से साफा बांधकर दस्तारबंदी की गई। एवं हजरत ख्वाजा नज़्म सरकार की शान में कव्वालियों का आयोजन किया राणा जी के नोहरे को खूबसूरत लाइटिंग व आतिशबाजी से सजाया गया था। पीर गुलाम नासिर ने अपने साहबजादे पीर गुलाम नजम को अपना जानशीन सज्जादा नशीन मुतवली दरगाह हज़रत पीर हाजी नजमुद्दीन सुलेमानी फतेहपुरी को मुकर्रर किया। (उत्तराधिकारी) इस खुशी में यह समारोह आयोजित किया गया था। और शहर की चार शख्सियत को दरगाह फतेहपुर की तरफ से नवाजा गया जिसमें मोहम्मद अली पठान पत्रकारिता क्षेत्र में और शिक्षाविद् शायर इदरीश राज़ चूरवी, और 50 साल से सेवा दे रहे कौम चेजारान में इमाम मौलाना मोतिउर रहमान एवं कोम चेजारान के अध्यक्ष फारूक चेजारा को पगड़ी बांधकर व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महम्मुद राणा, डॉ. जाकिर हुसैन, मोहम्मद रफीक चौहान, करामत खान उर्दू अदीब, हाजी रफीक छिपा, मास्टर अजीज खान दिलावर खानी, जाफर खान, नौशाद खान, अयूब खान चायल, महबूब खान नसवान, गफ्फार खान इंजीनियर, असलम गारमेंट, मोहम्मद यूसुफ, फारूक चौहान, इलियास राणा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन शायर इदरीश राज़ चुरवी ने किया पीर साहब ने देश दुनिया में भाईचारा अमन शांति की दुआएं की। आयोजक महम्मुद राणा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पाली में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ सख्त अभियान जारी, 37 किलो जब्ती, ₹12,800 का जुर्माना

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी के निर्देशानुसार एवं नगर निगम आयुक्त नवीन भारद्वाज के आदेश पर पाली शहर में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विरुद्ध सख्त अभियान लगातार जारी है। नगर निगम की स्वास्थ्य शाखा द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण कर प्रभावी कार्यवाही की गई। स्वास्थ्य निरीक्षक कानाराम रल ने बापू नगर नहर चौराहा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 22 किलोग्राम सिंगल यूज़ प्लास्टिक जब्त कर ₹7000 का जुर्माना लगाया। इसी प्रकार स्वास्थ्य निरीक्षक गोपाल आदिवाल द्वारा मुस्लिम मुसाफिर खाना एवं नेहरू पार्क, पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान 15 किलोग्राम सिंगल यूज़ प्लास्टिक जब्त कर ₹5800 का जुर्माना वसूला गया। अभियान के तहत कुल 37 किलोग्राम सिंगल यूज़ प्लास्टिक जब्त कर ₹12,800 का जुर्माना वसूल किया गया। साथ ही संबंधित व्यक्तियों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए भविष्य में इसका उपयोग नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई। नगर निगम आयुक्त नवीन भारद्वाज ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण एवं शहर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

जनहित में अपील

नगर निगम पाली ने आमजन एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे डिस्पोजेबल आइटम्स, सिंगल यूज़ प्लास्टिक, कप, ग्लास आदि का उपयोग न करें। सभी दुकानदार अपने प्रतिष्ठान के बाहर ढक्कनदार डस्टबीन अनिवार्य रूप से रखें तथा कचरा केवल नगर निगम की कचरा संग्रहण गाड़ी में ही डालें। यदि किसी भी दुकान या प्रतिष्ठान के बाहर डस्टबीन नहीं पाया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध ₹2000 का जुर्माना लगाया जाएगा। नगर निगम की टीम द्वारा लगातार निरीक्षण एवं जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है। नगर निगम पाली ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घर, दुकान एवं कार्यालय में कचरा पात्र का उपयोग करें और पाली शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सहयोग प्रदान करें।

बाल विवाह निषेध रैली एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार बुधवार को अक्षय तृतीया एवं पीपल पूर्णिमा के अवसर पर बाल विवाह की प्रबल संभावना को देखते हुए आमजन को बाल विवाह रोकथाम के संबंध में जागरूक करने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर एवं चाइल्ड हेल्पलाइन सवाई माधोपुर के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गंभीरा के विद्यार्थियों के सहयोग से बाल विवाह निषेध रैली का आयोजन किया गया। यह रैली राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गंभीरा से शुरू होकर गांव के मुख्य मार्गों से होकर निकाली गई तथा पुनः विद्यालय परिसर में आकर सम्पन्न हुई। आयोजित रैली में विद्यार्थियों द्वारा "बाल विवाह बंद करो" के नारों से ग्रामीणों को बाल विवाह का समर्थन नहीं करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही विद्यालय परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पीएलवी मुकेश कुमार शर्मा तथा चाइल्ड हेल्पलाइन के राहुल सिंह द्वारा विद्यार्थियों एवं उपस्थित ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही उन्होंने चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, "से नो टू चाइल्ड मैरिज" अभियान, बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006, बाल विवाह की शिकायत के निवारण में विधिक सेवा प्राधिकरणों एवं विधिक सेवा समितियों की भूमिका के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई और समाज को इस कुरीति के विरुद्ध जागरूक रहने का संदेश दिया। अंत में चाइल्ड हेल्पलाइन के राहुल सिंह द्वारा विद्यार्थियों को स्कूल प्रबंधन, प्रशासन एवं चाइल्ड हेल्पलाइन को बाल विवाह के संबंध में सूचित करने हेतु शपथ दिलवाई गई । इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य कमलेश मीणा सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक उपस्थित रहे ।

बहुचर्चित नन्नू हत्याकांड में सभी आरोपी बरी, कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

-अफसान की ओर से पैरवी अधिवक्ता फिरोज खान ने की

बारां (रॉयल पत्रिका) । बहुचर्चित निखिल उर्फ नन्नू चौमुखा हत्याकांड में जिला एवं सेशन न्यायालय, बारां ने शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए सभी आरोपियों को दोषमुक्त बरी कर दिया। थाना कोतवाली बारां में दर्ज इस हत्याकांड ने घटना के समय पूरे शहर में सनसनी फैला दी थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच करते हुए विराट सिंह चौहान, सम्राट सिंह चौहान, तरुण उर्फ तन्नु सैन, अफसान खान, वंश अग्रवाल उर्फ भोला एवं अंकित टेलर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। प्रकरण की विस्तृत सुनवाई जिला एवं सेशन न्यायाधीश, बारां द्वारा की गई। सुनवाई के दौरान अफसान खान की ओर से अधिवक्ता फिरोज खान ने प्रभावी पैरवी करते हुए अंतिम बहस में उच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण नजीर (जजमेंट) प्रस्तुत किए और अपने मुवक्किल की बेगुनाही के पक्ष में ठोस तर्क रखे। दोनों पक्षों की दलीलों और साक्ष्यों पर विचार करने के बाद न्यायालय ने 17 अप्रैल 2026 को अपना निर्णय सुनाते हुए सभी आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए निर्दोष माना और बरी कर दिया। इस फैसले के बाद मामले में लंबे समय से चल रही कानूनी प्रक्रिया का समापन हो गया।

पूर्व राज्य मंत्री हमीदा बेगम ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से की चर्चा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पूर्व राज्य मंत्री श्रीमती हमीदा बेगम पुर्व विधायक चुरु, जयपुर से अपने निजी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए चूरू पहुंची काफी संख्या में कांग्रेस कार्य करता उनसे मिलने के लिए निज निवास पहुंचे । और आपसे चूरू विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों और आज के राजनीतिक पर चर्चाएं की आपने कहा कांग्रेस हमारा परिवार है कांग्रेस में अच्छे भी हैं और बुरे भी लेकिन शीर्ष नेतृत्व पार्टी के हाई कमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी सर्वोपरि है। लेकिन हम चाहते हैं कि हमारे यहां चूरू से कांग्रेस मजबूत हो और विजय हो लेकिन चूरू की जमीन से जुड़ा हुआ व्यक्ति ही चुनाव लड़े और प्रतिनिधित्व करें। चूरू की जनता बाहरी उम्मीदवार को जिताना पसंद नहीं करती। इसीलिए चूरू 35 साल से हार का सामना करती आ रही है। 80/90 हजार वोट तो कांग्रेस पार्टी को नाम से ही मिलते हैं। हार जीत के जो वोट होते हैं वह विकास के नाम पर और काम के नाम पर मिलते हैं। और आपका व्यवहार आम जनता के साथ कैसा है इसी के आधार पर लोग आपको वोट देते हैं। अगर खिड़की से खरीद कर टिकट लाकर कोई जितना चाहे तो वह कभी जीत नहीं पाता क्योंकि उस व्यक्ति का व्यवहार मायने रखता है। आपका व्यवहार अच्छा है तभी लोग आपको पसंद करेंगे अन्यथा रुपए पैसों से कुछ ही लोग होते हैं जो आपकी ज़ी हजूरी करते हैं। फिर आप अगर उन्हें इग्नोर करते हैं तो वह पार्टी चेंज करते हुए भी देर नहीं करते। हमें कांग्रेस को मजबूत करना होगा तभी हमारे यहां पर विकास की गंगा बहेगी अन्यथा 35- 40 साल से जैसा चूरू पहले था। आज भी वैसा ही नजर आता है। अगर विकास हो भी रहा है तो सही तरीके से नहीं हो रहा। चाहे ओवरब्रिज हो या हाई-वे, हॉस्पिटलों की हालत खस्ता है। बिजली-पानी की समस्याएं वैसे ही बनी हुई है। बाहरी कालोनियां जो नई बनी है। उन्हें शहर की मुख्य सड़कों से जोड़ा नहीं गया है। समस्याएं काफी हैं आमजन-आवाज भी उठाती है! लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। आज अधिकारी अपने मनमर्जी करते हैं आम जनता ऑफिस में चक्कर काटती रहती है। लेकिन उनके काम समय पर नहीं होते। खुद की पहचान के लिए पार्टी में बड़े-बड़े पद लिए हुए। हमारे यहां पर नेता खूब मिल जाएंगे लेकिन जनता की समस्याओं के लिए उनकी राजनीति में कोई जगह नहीं है। हमें आम जनता से जुड़ना होगा उनकी आवाज उठाने के लिए लड़ना होगा। तभी विकास होगा। और हमें दूरदर्शी सोच के साथ चलना होगा। तभी यहां से कांग्रेस मजबूत होगी और विजय होगी।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

प्रधानाचार्य ने मां को बेटे की टीसी देने से मना किया, शिक्षा से वंचित हुआ 10 वर्षीय बालक

-प्रधानाचार्य ने कहा कि सरपंच और 10 लोग लिखकर देंगे तब मिलेगी टीसी

-मां ने कलेक्टर अभिषेक सुराणा से लगाई बेटे की टीसी दिलवाने की गुहार

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। एक तरफ तो केंद्र और राज्य सरकार विभिन्न योजनाएं बनाकर शिक्षा को बढ़ावा दे रही है। ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित ना रहे। दूसरी तरफ चूरू जिले के धीरवास बड़ा गांव में स्थित भरत पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य की मनमानी के कारण एक बालक का भविष्य खराब हो रहा है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अन्यत्र अध्ययन हेतु चौथी कक्षा पास कर चुके बालक रितिक की टीसी देने से साफ मना कर दिया है। इस संबंध में एक महिला कमलेश देवी ने चूरू जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा को ज्ञापन देकर भरत पब्लिक स्कूल धीरवास बड़ा के प्रधानाचार्य पर गंभीर आरोप लगाते हुए अपने पुत्र रितिक की टीसी दिलवाने की मांग की है। कमलेश पुत्री पूर्णा राम ने लिखा है कि उसका पति महावीर उसके और बच्चे रितिक उम्र 10 वर्ष के साथ मारपीट करता है। इस कारण वह अपने पीहर जोड़ी पट्टा सात्यूं जिला चूरू में रहने लगी है। कमलेश ने अपने पति महावीर के खिलाफ फौजदारी मुकदमा भी दर्ज करवा रखा

है। उसके पुत्र रितिक ने भरत पब्लिक स्कूल धीरवास बड़ा से कक्षा 4 उत्तीर्ण की है। उसकी कोई फ़ीस बकाया नहीं है। रितिक अपनी मां कमलेश के संरक्षण में है। वह उसे अपने पीहर जोड़ी पट्टा साल्यूं में पढ़ाना चाहती है। वह रितिक की टीसी लाने भरत पब्लिक स्कूल धीरवास बड़ा गई तो प्रधानाचार्य ने टीसी देने से साफ़ मना कर दिया। इस कारण रितिक का प्रवेश नहीं हो रहा है और उसकी पढ़ाई बंद हो गई है। प्रधानाचार्य का कहना है कि गांव का सरपंच और 10 लोग लिखकर देंगे तब टीसी मिलेगी। ऐसे कभी भी टीसी नहीं मिलेगी चाहे स्कूल बंद हो जाए। भरत पब्लिक स्कूल धीरवास बड़ा के प्रधानाचार्य की इस हठधर्मिता ने बालक रितिक को शिक्षा से वंचित कर रखा है। साथ ही कई सवाल भी उठ रहे हैं। एक प्रकार से प्रधानाचार्य द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ठेंगा दिखाया जा रहा है। कमलेश ने लिखा है कि बच्चे के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उसकी टीसी दिलवाई जाए ताकि उसे जोड़ी पट्टा साल्यूं के स्कूल में कक्षा 5 में प्रवेश मिल सके। अब देखना यह है कि चूरू कलेक्टर अभिषेक सुराणा बच्चे की टीसी दिलवाते हैं या नहीं।

बाहरी प्रदेश के रसायन टैंकर बने किसानों के लिए संकट - सख्त कार्रवाई की मांग - जागरवाल

-चोरी छिपे बाड़ी नदी में बहाया जा रहा खतरनाक एसिड

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। भारतीय किसान यूनियन टिकैत संगठन के पाली जिला अध्यक्ष एवं किसान नेता मदनसिंह जागरवाल ने राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व जिला कलेक्टर पाली को पत्र लिख कर पाली की बांडी नदी में बाहरी प्रदेशों से आबूरोड इंदौर मेहसाणा बड़ौदा ओर अन्य जगह से आ रहे टैंकरों द्वारा खतरनाक रसायनों को रात को चोरी छिपे कुछ लोग पैसा लेकर जवड़िया केरला मंडिया गढ़वाड़ा नदी के साथ कच्चे रास्तों से अवैध रूप से बाड़ी नदी में खाली कर नदी व नेहड़ा बांध को कई वर्षों से प्रदूषित कर रहे हे इस खतरनाक रसायन एसिड नदी में डालने पर जमीन भी जल जाती है उनकी पूरी रोकथाम को लेकर पाली जिला कलेक्टर से तत्काल हस्तक्षेप कर अवैध टैंकर खाली करवा रहे असामाजिक लोगों को शक्ति से पकड़ कर शक्त कार्यवाही की मांग की है। जागरवाल ने कहा कि बांडी नदी में लगातार रसायन डाले जाने से नेहड़ा बांध क्षेत्र के किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं तथा कृषि भूमि की उर्वरता तेजी से घट रही है। और पूरी बाड़ी नदी ओर नेहड़ा बांध खराब हो रहा हे रसायनों से जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। जागरवाल ने आरोप लगाया कि बाहरी राज्यों से आने वाले रसायन टैंकर रात के समय अवैध रूप से खाली हो रहे हैं,ये खेल लंबे समय से चल रहा हे जिससे पर्यावरण एवं किसान दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

जागरवाल ने मुख्यमंत्री से मांग में:-

बांडी नदी में खतरनाक रसायनों के अवैध निस्तारण पर तत्काल रोक लगाई जाए। अवैध रूप से रसायन खाली करवाने वाले टैंकर संचालकों एवं संबंधित व्यक्तियों की सी सी कैमरे ओर रात में पुलिस गस्त बढ़ाकर उनकी पहचान कर सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारी की जाए। नेहड़ा बांध क्षेत्र के प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु स्थायी निगरानी व्यवस्था स्थापित की जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्र के किसान आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ़ इंडिया का कैडर कन्वेंशन टोंक में सफलतापूर्वक संपन्न

टोंक (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ़ इंडिया (SDPI) का कैडर कन्वेंशन टोंक में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसकी सरपरस्ती डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट अब्दुल लतीफ़ ने की। इस कार्यक्रम में नेशनल ट्रेज़रर एवं राजस्थान प्रभारी अब्दुल सत्तार, स्टेट प्रेसिडेंट अशफाक हुसैन, स्टेट जनरल सेक्रेटरी अब्दुल हक, स्टेट सेक्रेटरी आबिद हुसैन, पूर्व स्टेट वाइस प्रेसिडेंट महबूब उस्मानी, अकरम खान, सहित अन्य वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहें। कन्वेंशन में देश और प्रदेश के मौजूदा हालात, संगठन को और अधिक मज़बूत करने की चर्चा तथा आगामी 17 मई 2026 को प्रस्तावित "लीडर्स कंकलेव" कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। नेताओं ने पार्टी कैडर को ज़मीनी स्तर पर मज़बूती से काम करने और जनसमस्याओं को उठाने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर यह भी जानकारी दी गई कि SDPI के नेशनल प्रेसिडेंट एम.के. फ़ैज़ी आगामी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे, जिससे कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है। कार्यक्रम के अंत में पार्टी को मज़बूत बनाने और आगामी योजनाओं को सफल बनाने का संकल्प लिया गया।

सवाई माधोपुर के डॉ. गणपत लाल वर्मा दिल्ली में सम्मानित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले के लिए गर्व की बात है कि जिले के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. गणपत लाल वर्मा को देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित एम्स (AIIMS) में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में 11 एवं 12 अप्रैल 2026 को आयोजित National Conference on Advance Healthcare & Rehabilitation Sciences (NCAHRS-AIIMS) में डॉ. गणपत लाल वर्मा को उनके उत्कृष्ट कार्य, समर्पण एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए Award of Excellence एवं चिकित्सा सेवा सम्मान पत्र प्रदान किया गया। यह सम्मान स्वास्थ्य सेवाओं में उनके निरंतर उत्कृष्ट योगदान और समाज के प्रति समर्पित सेवा भावना को देखते हुए दिया गया। इस उपलब्धि से सवाई माधोपुर जिले में खुशी की लहर है तथा क्षेत्रवासियों ने डॉ. वर्मा को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

महवा में कांग्रेस की "संगठन बढ़ाओं लोकतंत्र बचाओं" अभियान की बैठक आयोजित

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी महवा एवं मंडावर की संयुक्त मीटिंग दोपहर 12 बजे रामकुटि ऊकरूद में आयोजित हुई बैठक में पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला, महवा विधानसभा प्रभारी सिद्धार्थ व्यास ने भाग लिया मीटिंग से पहले प्रभारी सिद्धार्थ व्यास, पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला का माला साफा पहनाकर स्वागत किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रभारी सिद्धार्थ व्यास ने बताया कि आज बीजेपी सरकार पंचातय एवं निकाय चुनावों को नहीं करवाना चाहती है सरकार चुनावों से बचना चाहती है इससे लोकतंत्र खतरे में हैं, अतः हमें आने वाले चुनावों में कांग्रेस की सरकार चुननी है आज हम ग्राम पंचायत अध्यक्ष का प्रस्ताव लेकर पंचायत अध्यक्ष के नामों का चयन किया गया इससे कांग्रेस पार्टी मजबूत होगी। इस अवसर पर पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला ने

कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ है, कार्यकर्ताओं की दम पर ही सरकार बनती है आज महवा में चारों तरफ भ्रष्टाचार चरम पर है जनता के समय पर काम नहीं हो रहे हैं । आप सभी एकजुट होकर पंचायत एवं निकाय चुनाव में कांग्रेस पार्टी को जिताए इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी महवा अध्यक्ष दिनेश पाटोली, हरिओम हांडली, बबलू सैनी अंछापुरा, खूवीराम बैरवा रामगढ़, प्रेम सिकंदरपुर, किशनसहाय प्रजापत, मनीराम मीना यूथ अध्यक्ष, लाजपत तंवर Nsui अध्यक्ष, मोहसिन कुरेशी, राजाराम सैनी सीत, कुलदीप हड़िया, इमरान खान रामगढ़, श्री किशन सैनी, गोलू नावरिया, देवीराम सैनी डायरेक्टर, कल्लू ठेकड़ा, बबलू विराना, गबरूदीन समलेटी, रमन भोपर, लालसिंह केसरा, युवराज सिंह बदनपुरा, आसिफ खान, पुष्पेंद्र सिंहल, हुकम नावरिया, विजय पारीक, सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

लंबित परिवादों का शीघ्र करें निस्तारण- जनागल

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल ने शुक्रवार को सम्पर्क पोर्टल पर 30 दिवस से अधिक अवधि से लंबित प्रकरणों के निस्तारण को लेकर संबंधित अधिकारियों की विशेष बैठक लेते हुए सभी विभागों के अधिकारियों को संवेदनशीलता और तत्परता के साथ आमजन की समस्याओं को हल करने के निर्देश दिए। जनागल ने मिनी सचिवालय सभागार में आयोजित बैठक में सम्पर्क पोर्टल पर लंबित परिवादों का गहनता से मंथन किया। जिला कलक्टर ने सम्पर्क पोर्टल पर 30 दिवस से अधिक के लंबित परिवादों पर असंतोष जाहिर करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को यथाशीघ्र इनका निबटारा करने के निर्देश दिए। बैठक में लंबित ऐसे 265 प्रकरणों में प्रगति की समीक्षा की तथा इनके समाधान में आ रही परेशानियों के निवारण के लिए मार्गदर्शन दिया। बैठक में सम्पर्क पोर्टल प्रभारी दुर्गाशंकर मीणा भी उपस्थित थे।

राजस्थान पुलिस दिवस पर बीकानेर रेंज में क्विज प्रतियोगिता, विजेताओं का सम्मान

बिकानेर/ चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर 17 अप्रैल, 2026 को रेंज स्तरीय क्विज प्रतियोगिता 2026 का आयोजन मुख्यालय बीकानेर पर किया गया, जिसमें ओमप्रकाश, आई.पी.एस., महानिरीक्षक पुलिस, बीकानेर रेंज, बीकानेर की अध्यक्षता में मृदुल कच्छावा, पुलिस अधीक्षक, बीकानेर, श्रीमती सुनीता चावला, संयुक्त निदेशक स्कूली शिक्षा, बीकानेर संभाग, पवन कुमार भदौरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अपराध एवं सतर्कता, रेंज बीकानेर, सुखविंद्र पाल सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लीव रिजर्व रेंज कार्यालय बीकानेर, सौरभतिवाड़ी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लीव रिजर्व, रेंज कार्यालय बीकानेर की उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में रेंज के कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें प्रथम स्थान पर संयुक्त रूप से प्रिया जांगिड जिला चुरू व प्राजंल पूनियां जिला बीकानेर द्वितीय स्थान पर संयुक्त रूप से श्यामसुंदर, लक्ष्य व प्रियांशु मीणा जिला हनुमानगढ़ से आयुषी सोनी व प्रियंका भास्कर जिला बीकानेर से, तृतीय स्थान पर संयुक्त रूप से प्राची दाधीच बीकानेर से व हर्षिता हनुमानगढ़ से विजेता रहे। सभी विजेताओं को श्रीमान् द्वारा नकद राशि व प्रमाण पत्र एवं प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को सांत्वना पुरूस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

"संगठन बढ़ाओं, लोकतंत्र बचाओं" अभियान का जिला कांग्रेस कमेटी ने किया मंथन

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार चलाए जा रहे "संगठन बढ़ाओं, लोकतंत्र बचाओं" अभियान के अंतर्गत आज जिला कांग्रेस कमेटी सवाईमाधोपुर की जिला अध्यक्ष व बामनवास विधायक इंदिरा मीणा की अध्यक्षता में कांग्रेस मुख्यालय पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। जिसमें कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ संगठन विस्तार को लेकर चर्चा हुई। इस अवसर पर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को जोड़ने तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सभी पदाधिकारियों ओर कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

इस दौरान नवनियुक्त जिला प्रभारी गजराज खटाना, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव लईक अहमद, महासचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी डॉ. सुमित गर्ग, जिला सह-प्रभारी राहुल भाकर सहित कई कांग्रेसजन उपस्थित रहे। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एकमत होकर संकल्प लिया कि किसी भी परिस्थिति में देश के लोकतंत्र की रक्षा करेंगे। लोकतंत्र को मजबूत रखने के लिए कांग्रेस संगठन को सशक्त बनाना अतिआवश्यक है।

रात्रि चौपाल बनी जनसुनवाई का असरदार मंच, घुमंतु परिवारों को मिला भूखण्ड का कब्जा

-बिरमी ग्राम पंचायत में प्रशासन की त्वरित कार्रवाई, वर्षों पुरानी समस्या का मौके पर समाधान

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत बिरमी में गुरुवार को आयोजित जिला कलेक्टर की रात्रि चौपाल आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त मंच साबित हुई। चौपाल के दौरान चार घुमंतु सांसी परिवारों ने उपस्थित होकर उन्हें पूर्व में आवंटित पट्टों की भूमि का वास्तविक कब्जा दिलाने की मांग रखी। परिवारों ने बताया कि पट्टे जारी होने के बावजूद अब तक उन्हें भूमि का भौतिक सुपुर्दगी नहीं मिल पाई थी, जिससे वे लाभ से वंचित थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर अरुण गर्ग ने मौके पर ही ग्राम पंचायत प्रशासन, विकास अधिकारी एवं तहसीलदार को निर्देश दिए कि आवंटित भूमि का शीघ्र सीमांकन करवा कर पात्र परिवारों को तत्काल कब्जा दिलाया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर के निर्देशों के बाद उपखंड अधिकारी और खंड विकास अधिकारी ने तत्परता दिखाते हुए शुक्रवार को ही वीडीओ और पटवारी

को मौके पर भेजा। सीमांकन की प्रक्रिया पूर्ण कर घुमंतु परिवारों को उनके भूखण्ड का भौतिक कब्जा सुपुर्द किया गया, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली। भूमि प्राप्त करने वाले लाभार्थियों—शांति देवी, विजय सिंह, प्रभुदयाल एवं मोहर सिंह—ने खुशी जाहिर करते हुए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से प्रतीक्षित इस कार्य के पूर्ण होने से अब उन्हें स्थायी आवास और बेहतर जीवनयापन की दिशा में नई उम्मीद मिली है। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र यादव, उपखंड अधिकारी मुनेश कुमारी, खंड विकास अधिकारी अमित चौधरी, तहसीलदार शेर सिंह राठौड़ सहित अन्य जिला एवं ब्लॉक अधिकारी उपस्थित रहे। यह पूरा प्रकरण रात्रि चौपाल की प्रभावशीलता को दर्शाता है, जहां आमजन की समस्याओं को न केवल सुना जाता है बल्कि उनका त्वरित समाधान भी सुनिश्चित किया जाता है। विशेष रूप से कमजोर एवं वंचित वर्गों के लिए यह पहल किसी वरदान से कम नहीं है।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

-जिला कलेक्टर ने ली बैठक दिये आवश्यक निर्देश

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में गुरूवार को जिला कलक्टर कार्यालय के सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुयी। बैठक में जिला कलक्टर ने जिले में एक्सीडेन्ट स्पॉट के बारे में, व निराश्रित पशुओं को पकड़ने के बारे मे एनएचएआई, एनएच, नगर निगम, आरएसआरडीसी, आदि विभागों से जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये। इसके साथ सीट बैल्ट लगाने, हेलमेट के बारे में जागरूकता व टू व्हीलर चालक के लिये अनिवार्य रूप से हेलमेट लगाने के लिये, सुरक्षा संकेतको के लिये, एक्सीडेन्ट डाटा दुर्घटना कारण, मुत्यु व संख्या के बारे में जानकारी ली व आगामी बैठक में विभिन्न बिन्दओ के वर्कप्लान के लिये आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही बैठक में ब्रेकर पाईट पर कलर करने, पूरे शहर को सेक्टर में विभाजित कर खतरनाक गढ्ढे का सर्वे करने, मार्गो पर अनविजिबल पेड कटिग करने के निर्देश दिये। बैठक में इस अवसर पर समिति के सचिव दिलीप परिहार ने बैठक के ऐजेंडे को रखा व जानकारी दी। नगर निगम आयुक्त नवीन भारद्वाज, परिवहन अधिकारी, पुलिस विभाग के सार्वजनिक निर्माण विभाग के एसई व, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. मनोज पंवार, शिक्षा विभाग चिकित्सा, एनएचएआई के संजय मरवाडी, एनएच, आरएसआरडीसी, आदि संबधित विभागों के अधिकारी कार्मिक मौजूद रहे।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग, पाली अंतर्गत संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट, पाली द्वारा शुक्रवार को शहर के विभिन्न स्थानों पर बाल विवाह की रोकथाम के लिए जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अक्षय तृतीया एवं पीपल पूर्णिमा के अवसर पर बाल विवाह की संभावनाएं अधिक रहती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए आयुक्त, बाल अधिकारिता विभाग, जयपुर एवं जिला कलक्टर डॉ. रविंद्र गोस्वामी के निर्देशानुसार बाल विवाह की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सहायक निदेशक डॉ. टीना अरोड़ा ने बताया कि रेलवे स्टेशन, हिम्मत नगर एवं राजेंद्र नगर, पाली में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही विवाह सेवा प्रदाताओं जैसे बैंड पार्टी संचालकों को भी बाल विवाह रोकथाम के लिए जागरूक करते हुए प्रशासन का सहयोग करने का आग्रह किया

गया। चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट पाली के प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर योगेन्द्र सिंह राठौड़, सुपरवाइजर विनय कुमार एवं केस वर्कर दर्शन सामरिया द्वारा आमजन को बाल अधिकारों, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, बाल श्रम एवं पॉक्सो अधिनियम की जानकारी दी गई तथा सभी को बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलवाई गई।

जूही भट्ट

को डेट कर रहे रणवीर अल्लाहबादिया

रणवीर अल्लाहबादिया द्वारा जूही भट्ट को अपनी गर्लफ्रेंड बताए जाने के बाद, अभिनेत्री की प्रोफेशनल जर्नी सुर्खियों में आ गई है। जूही 'फिल्टरकॉपी' के वायरल वीडियोज़ के अलावा 'भयः द गौरव तिवारी मिस्ट्री' जैसी वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं। यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया ने आखिरकार इन्फ्लुएंसर जूही भट्ट के साथ अपने रिश्ते पर मुहर लगा दी है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मैच देखने के बाद रणवीर का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने जूही को अपनी गर्लफ्रेंड कहकर पुकारा। इस सार्वजनिक खुलासे के बाद से ही हर तरफ जूही भट्ट के बारे में जानने की उत्सुकता बढ़ गई है।

अरिजीत सिंह की फैन बनीं

निकिता गांधी

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों में अपने बहुमुखी गायन से फैंस के दिलों में खास जगह बना चुकी निकिता गांधी ने अरिजीत सिंह के साथ कई गानों में अपनी आवाज दी है। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि अरिजीत की बहुत बड़ी फैन हैं। निकिता कहती हैं, 'मैं अरिजीत की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं और मैं उनके सफर और गायकी का बहुत सम्मान करती हूं। मैं खुद भी एक बहुमुखी गायिका हूं। मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि मैंने उनके सफर से बहुत कुछ सीखा है। बेशक, इस बात का बहुत दुख है कि अभी वे नए दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन उन्होंने बहुत सारा काम किया है और इस इंडस्ट्री को अपना बहुत कुछ दिया है।' निकिता गांधी ने आगे अपने सफर को याद किया। उन्होंने बताया कि पहले फिल्मों में गाना शुरू किया, उसके बाद अपना इंडी म्यूजिक रिलीज किया। आमतौर पर लोग पहले इंडी करते हैं और फिर फिल्मों में आते हैं, लेकिन मेरा सफर उल्टा रहा। कॉलेज के दिनों में मैंने तमिल फिल्मों में गाना शुरू किया। उस समय म्यूजिक इंडस्ट्री में आने का मेरा कोई भी प्लान नहीं था, लेकिन साउथ इंडस्ट्री और फिर बॉलीवुड में मौका मिला। उसके बाद उन्होंने अपना करियर शुरू किया। निकिता कहती हैं, 'यह बहुत अलग और शानदार सफर रहा, क्योंकि मैंने कभी सिंगर बनने का सपना नहीं देखा था। इसलिए, मैंने इसे प्यार से किया और अपने करियर का पूरा मजा लिया। 'लाइव परफॉर्मेंस और स्टूडियो रिकॉर्डिंग के बीच अंतर पर बात करते हुए निकिता ने बताया कि दोनों अनुभव बिल्कुल अलग हैं। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। लाइव शो में दर्शकों की मिली-जुली ऊर्जा मिलती है, जो बहुत खास होती है। वह पल उसी समय का होता है और चला जाता है। हर कोई उस अनुभव को महसूस करता है। दूसरी ओर, स्टूडियो में रिकॉर्डिंग करते समय परफेक्शन पर जोर होता है। जब आप स्टूडियो में सॉन्ग रिकॉर्ड करते हैं, तो परफेक्शन के लिए तीन-चार बार टेक लेते हैं, जब तक गाना एकदम सही न हो जाए। क्योंकि यह रिकॉर्डेड चीज हमेशा के लिए रह जाती है। इसलिए इसे जितना बेहतर बना सकते हैं, उतना बेहतर बनाते हैं। इसमें समय और कड़ी मेहनत लगती है।

प्राइम वीडियो ने सपने वर्सेस एवरीवन के नए सीज़न की दुनिया भर में रिलीज़ डेट 1 मई तय की

भारत के सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन, प्राइम वीडियो ने आज घोषणा की, कि उसकी बहुप्रतीक्षित प्राइम ओरिजिनल सीरीज़ सपने वर्सेस एवरीवन का दूसरा सीज़न, 1 मई को दुनियाभर में प्रीमियर होगा। इस सीरीज़ को अंबरीश वर्मा ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि अरुणभ कुमार और विजय कोशी ने इसे द वायरल फीवर के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। यह एक गहन ड्रामा है, जो महत्वाकांक्षा, बदले और पहचान जैसे विषयों को दर्शाता है। पहले सीज़न की शानदार सफलता के बाद–जिसे IMDb पर 9.2 की रेटिंग मिली और जो भारत की सबसे अधिक सराही गई सीरीज़ में से एक बनी। सपने वर्सेस एवरीवन अब नए सीज़न के साथ लौट रही है, इस बार भी अंबरीश वर्मा, परमवीर सिंह चीमा और विजयंता कोहली मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, जबकि अभिषेक चौहान, निधि शाह और खुशाली कुमार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह दूसरा सीज़न 1 मई 2026 को भारत सहित दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में, प्राइम वीडियो पर हिंदी में एक्सक्लूसिव तौर पर रिलीज़ किया जाएगा। सपने वर्सेस एवरीवन सीज़न 2 मुंबई की फिल्म इंडस्ट्री और रियल एस्टेट की दो अलग-अलग दुनिया की पृष्ठभूमि पर सेट है और पिछले सीज़न के रोमांचक मोड़ से आगे बढ़ता है। नया सीज़न प्रशांत (परमवीर सिंह चीमा) के साथ आगे बढ़ता है, जो एंटरटेनमेंट की बेहद प्रतिस्पर्धी दुनिया में एक एक्टर के रूप में खुद को स्थापित करने के लिए लगातार संघर्ष करता रहता है, जबकि जिमी (अंबरीश वर्मा), जिसे 'सेल्स गॉड' के नाम से जाना जाता है रियल एस्टेट और पॉलिटिक्स की दुनिया में और गहराई तक उतरता चला जाता है। 'TVF के साथ हमारी लंबे समय से चली आ रही साझेदारी ने लगातार ऐसी प्रामाणिक और जीवन से जुड़ी कहानियाँ दी हैं, जो हमारे दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ती हैं। मनीष मेघानी, निदेशक एवं प्रमुख - कंटेंट लाइसेंसिंग, प्राइम वीडियो इंडिया ने कहा। उन्होंने आगे कहा, 'सपने वर्सेस एवरीवन भी ऐसी ही एक कहानी है।अंबरीश और परमवीर के शानदार प्रदर्शन के साथ हमें पूरा विश्वास है कि यह नया सीज़न उस सफलता को आगे बढ़ाएगा और महत्वाकांक्षा, रिश्तों और सपनों को हासिल करने की असली कीमत को और भी ज़्यादा गहराई और बारीकी से दिखाएगा। 'सीरीज़ के को-प्रोड्यूसर विजय कोशी ने बताया, 'सपने वर्सेस एवरीवन की शुरुआत एक बेहद निजी कहानी के रूप में हुई थी, जो महत्वाकांक्षा और उसे पाने के संघर्ष पर आधारित है। पहले सीज़न को मिली प्रतिक्रिया हमारी उम्मीदों से कहीं अधिक रही। प्राइम वीडियो के साथ हमारा सहयोग लंबे समय से चला आ रहा है और यह बेहद संतोषजनक रहा है, जहाँ हमारी कई प्रिय कहानियों को एक बेहतरीन मंच मिला है। हमें बेहद खुशी है कि सपने वर्सेस एवरीवन का नया सीज़न भी इसी सूची में जुड़ रहा है, और हम इस कहानी को भारत सहित 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों के व्यापक और विविध दर्शकों तक पहुँचा रहे हैं। '

ट्रोलिंग के आगे चट्टान बनकर खड़ी रहीं

मंदिरा बेदी

तय किया टीवी से स्पोर्ट्स तक शानदार सफर

मनोरंजन और स्पोर्ट्स की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाली मंदिरा बेदी आज उन चुनिंदा चेहरों में गिनी जाती हैं, जिन्होंने हर दौर में खुद को साबित किया है। चाहे टीवी सीरियल हो, क्रिकेट की दुनिया हो या फैशन का मंच, उन्होंने हर जगह अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। उनके इस सफर में एक ऐसा समय भी आया, जब सोशल मीडिया इतना आम नहीं था, फिर भी उन्हें ट्रोलिंग और आलोचना का सामना करना पड़ा। 90 के दशक में लोकप्रिय शो 'शांति' से उन्हें बड़ी पहचान मिली। इस शो में उनका किरदार आत्मनिर्भर महिला का था, जिसने दर्शकों के दिल में खास जगह बना ली। इसके बाद उन्होंने कई टीवी शोज में काम किया और धीरे-धीरे फिल्म और होस्टिंग की दुनिया में भी कदम रखा। लेकिन असली मोड़ तब आया, जब उन्हें क्रिकेट में प्रेजेंटर बनने का मौका मिला। साल 2003 में आईसीसी वर्ल्ड कप के दौरान उन्होंने स्पोर्ट्स एंकरिंग शुरू की, जो उस समय भारतीय टीवी के लिए एक नया एक्सपेरिमेंट था। यहां से उनका करियर एक नए स्तर पर पहुंच गया। लेकिन इसी दौर में उन्हें आलोचना का सामना भी करना पड़ा। सबसे खास बात यह है कि यह ट्रोलिंग सोशल मीडिया के बिना भी होती थी। उदाहरण के तौर पर, 2003 के वर्ल्ड कप के दौरान कई लोगों ने उनके कपड़ों और स्टाइल पर सवाल उठाए। कहा गया कि वह क्रिकेट को ग्लैमर बना रही हैं और इससे खेल की गंभीरता कम हो रही है।2007 के वर्ल्ड कप में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब उनकी एक साड़ी को लेकर विवाद हुआ। इस साड़ी में अलग-अलग देशों के झंडों का डिजाइन था, जिसे लेकर काफी आलोचना हुई और उन्हें सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगनी पड़ी। यह घटना उस समय मीडिया में काफी चर्चा में रही। इन सबके बावजूद, मंदिरा बेदी ने हार नहीं मानी। उन्होंने खुद को मजबूत बनाया और अपने काम पर ध्यान दिया। धीरे-धीरे, उन्होंने न सिर्फ स्पोर्ट्स एंकरिंग में पहचान बनाई, बल्कि लोगों का भरोसा और सम्मान भी हासिल किया। उन्होंने आईसीसी वर्ल्ड कप 2003 और 2007, चैंपियंस ट्रॉफी 2004 और 2006 और आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट्स को होस्ट किया। निजी जीवन में भी मंदिरा ने कई उतार-चढ़ाव देखे। उन्होंने फिल्ममेकर राज कौशल से शादी की थी और दो बच्चों की मां बनीं, जिनमें से एक को उन्होंने गोद लिया। साल 2021 में उनके पति का निधन हो गया, जो उनके जीवन का सबसे कठिन समय था। इसके बावजूद उन्होंने खुद को संभाला और काम जारी रखा।

एक दिन का ट्रेलर आउट

साई पल्लवी और जुनैद खान की मैजिकल लव स्टोरी ने जगाई प्यार की उम्मीद!

आमिर खान प्रोडक्शंस की आने वाली फिल्म 'एक दिन', जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में हैं, एक प्यारी और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी का वादा करती है। वाकई यह एक ऐसी फिल्म है जिसका हर कोई बेसब्री से इंतज़ार कर रहा है। अपने रूहानी गानों के साथ एक शानदार माहौल बनाने के बाद, अब मेकर्स ने इसका एक दिलचस्प ट्रेलर रिलीज़ कर दिया है, जो उम्मीद और जादू से भरी एक प्रेम कहानी को बेहद खूबसूरती से पेश करता है। 'एक दिन' का ट्रेलर आखिरकार आ गया है, और यह एक जादुई प्रेम कहानी से रूबरू कराता है। जुनैद खान ने एक शर्मीले और थोड़े अलग लड़के का किरदार निभाया है, जिसे साई पल्लवी से प्यार हो जाता है, जो एक खुशमिजाज और जिंदादिल लड़की है। वैसे तो वे दोनों एक ही ऑफिस में काम करते हैं, लेकिन जुनैद उससे बात करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते। हालांकि, कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब जापान में साई का एक्सीडेंट हो जाता है और वह 'ट्रांजिएंट ग्लोबल एमनेशिया' की शिकार हो जाती है, जिसमें उसे सिर्फ जुनैद याद रहता है, जिसने उसकी जान बचाई थी। जहाँ यह मोड़ पूरी कहानी का रुख बदल देता है, वहीं यह देखना वाकई रोमांचक होगा कि यह प्रेम कहानी कैसे आगे बढ़ती है और क्या मोड़ लेती है। ट्रेलर रिलीज होने के साथ ही यह साफ हो गया है कि एक शालीन, कोमल और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी आने वाली है। यह कहानी प्यार में यकीन रखने, उम्मीद को थामे रहने और जादू के होने का इंतज़ार करने के बारे में है। निश्चित रूप से, यह एक दुर्लभ कहानी है जो लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। एक दिन' के जरिए आमिर खान और फिल्म मेकर मंसूर खान एक लंबे अरसे के बाद फिर साथ आए हैं, जिससे हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा क्रिएटिव जोड़ियों में से एक फिर से जिंदा हो गई है। साथ मिलकर उन्होंने दर्शकों को 'कयामत से कयामत तक', 'जो जीता वही सिकंदर', 'अकेले हम अकेले तुम' और 'जाने तू... या जाने ना' जैसी यादगार फिल्में दी हैं। 'एक दिन' के साथ यह जोड़ी एक बार फिर रोमांस जॉनर में लौट रही है, जिससे फैंस के बीच नया उत्साह पैदा हो गया है। उनके फिर से साथ आने ने उत्सुकता बढ़ा दी है, और दर्शक उस जादू को पर्दे पर दोबारा देखने के लिए बेताब हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म 'एक दिन' में साई पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है और इसे आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

(साभार एजेंसी)

धोनी को देखने के लिए करना होगा इंतजार

मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलने की संभावना

नई दिल्ली। वेंकट कृष्णा बी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को खेलते देखने का इंतजार एक हफ्ते और बढ़ गया है। वह मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े में 23 अप्रैल को खेलते दिख सकते हैं। 44 साल के धोनी सीजन से पहले कैंप में पिंडली में खिंचाव से जूझ रहे हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के सूत्रों के अनुसार वह पूरी तरह से फिट होने के करीब हैं। चेन्नई सुपर किंग्स का अगला मैच सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हैदराबाद में है, लेकिन इस बात की कोई पुष्टि नहीं हुई है कि धोनी टीम के साथ यात्रा करेंगे या नहीं। आईपीएल 2026 की अंक तालिका में चेन्नई सुपर किंग्स 8वें नंबर पर है। वह पांच में से दो मैच जीती है। ऋतुराज गायकवाड़ की अगुआई वाली टीम लगातार तीन मैच हारी। इसके बाद उसने दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स को पिछले दो मैचों में हराया। चेन्नई सुपर किंग्स के घरेलू मैचों के दौरान भी धोनी होटल में ही रहते हैं। हालांकि, वह अभ्यास सत्र में दिखे हैं। थ्रोडाउन लेते हुए उन्हें कोई दिक्कत नहीं हुई है।

धोनी ने प्रमुख गेंदबाजों का सामना नहीं किया

चेन्नई सुपर किंग्स का पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स से मुकाबला हुआ था। इस मैच से पहले अभ्यास सत्र में बल्लेबाजी कोच माइकल हसी की देखरेख में बल्लेबाजी की थी, लेकिन उन्होंने प्रमुख गेंदबाजों का सामना नहीं किया। उन्होंने चाइनामैन स्पिनर नूर अहमद के साथ समय बिताया। सीएसके के गेंदबाजी कोच श्रीधरन श्रीराम ने कहा, 'एमएस (धोनी) ने एक अभ्यास सत्र में उनसे लंबी बातचीत की और उनकी लेग ब्रेक को ठीक कराया।

प्लेइंग 11 में कैसे फिट होंगे धोनी

थ्रोडाउन लेते वक्त धोनी बगैर किसी दिक्कत के शॉट लगाते दिखे। दो मैच जीतने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स को धोनी को प्लेइंग 11 में फिट करने के लिए रास्ते तलाशने होंगे। चेन्नई सुपर किंग्स की बल्लेबाजी में गहराई नहीं है। गेंदबाज नंबर 8 पर खेल रहे हैं। धोनी को प्लेइंग 11 में सरफराज खान की जगह मौका मिल सकता है। सरफराज ने अच्छी बल्लेबाजी की है, लेकिन वह कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ तेजी से बल्लेबाजी करने में संघर्ष करते दिखे। उन्होंने 18 गेंद पर 23 रन बनाए। धोनी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खिलाने का भी विकल्प है।

'खिलाड़ी डरते हैं, नहीं जाना चाहते'

मुनाफ पटेल ने लगाए NCA में ठीक से काम न होने का आरोप

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों की देखभाल की जिम्मेदारी बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी (अब सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) पर होती है। सीओई खिलाड़ियों के शरीर और फिटनेस का ध्यान रखता है, चोटिल होने पर वह वही रिहैब करते हैं। भारत के पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने एनसीए के कामकाज पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि फिजियो और ट्रेनर जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते। मुनाफ ने कहा कि एनसीए को 100 प्रतिशत बदलना होगा। वह आज भी उसी ढर्रे पर चल रहा जिस पर वह 2000 में शुरू होने पर चल रहा था,

जबकि ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की ऐसी व्यवस्था दर्जनों बार बदलाव से गुजरी है।

मुनाफ पटेल ने टाइम्स ऑफ इंडिया को इंटरव्यू देते हुए कहा, 'ईमानदारी से फिजियो और ट्रेनर जिम्मेदारी लेना नहीं चाहते। उनका वर्कलोड बढ़ जाता है। आप सेटअप देखो। आप एनसीए के सेटअप में घुस जाओ आपको पूरा सिस्टम पता चल जाएगा। आपको कहीं और नहीं जाना है। एनसीए को 100 प्रतिशत बदलना होगा। पूरे वर्ल्ड के सिस्टम को बीसीसीआई चला रहा है। मैं इंजर्ड हुआ। मुझे एनसीए जाना है। क्यों जाना है फिट होने के लिए। मतलब मैं ऐसा बॉलर हूं कि मेरी गलती नहीं है। मैं ऐसा बैट्समैन हूं कि मेरी गलती नहीं है तो एनसीए फिटनेस सेंटर रखा हुआ आपने। अस्पताल बन गया है। आप फिट हो जाओ वापस आ जाओ सीधे टीम में हो और वो परमिशन दे रहा है।'

प्लेयर्स भी एनसीए जाने से डरते हैं– मुनाफ पटेल ने कहा, 'एनसीए दे रहा है तो मेरी गलती नहीं है मेरी गलती भी तो सुधारेगा कोई बंदा जो बॉलिंग कोच आपको रखा हुआ है या बैटिंग कोच वहां रखा हुआ है तो आप कितने दिन वर्क करते हो उनके पीछे वो बता दो जरा। प्लेयर्स भी एनसीए जाने से डरते हैं। कोई जाना नहीं चाहता है।

बच गई इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की जान

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान का चेहरे पर लगी चोट को लेकर खुलासा

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स चेहरे पर लगी चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने खुलासा किया है कि भाग्यशाली रहे कि गेंद एक-दो इंच इधर या उधर नहीं लगी। ऐसा होता तो वह जान गंवा सकते थे। स्टोक्स इस चोट से उबरकर मई में मैदान पर वापसी करने की कोशिश में हैं। उनकी योजना है कि जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले तीन प्रथम श्रेणी मैच खेलने की है। वह इंग्लैंड लायंस के लिए भी खेलते दिख सकते हैं।

इंग्लैंड को पिछली टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से एशेज के दौरान 4-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इस दौरान स्टोक्स ग्रोइन इंजरी हुई। इसकी उन्होंने सर्जरी कराई। वह अप्रैल-मई में काउंटी चैंपियनशिप के दौरान मैदान पर उतरने की कोशिश में थे, लेकिन वह घरेलू टीम डरहम को कोचिंग देते हुए चोटिल हो गए। अभ्यास सत्र के दौरान एकेडमी के एक खिलाड़ी का शॉट स्टोक्स के चेहरे पर लगी। इसके कारण मैदान पर वापसी में देरी हो गई। इसी चोट को लेकर स्टोक्स ने खुलासा किया उनकी जान जा सकती थी।

स्टोक्स ने क्या कहा?

ईसीबी के दिए इंटरव्यू में स्टोक्स ने कहा, 'चेहरे पर चोट लगी। यह बहुत गंभीर थी, लेकिन मजेदार बात यह है कि बुरे समय में यह सबसे बेहतर परिणाम था। मैंने अपना सिर नहीं मोड़ा होता तो एक-इंच इधर या उधर गेंद लगती और मैं आज यहां इंटरव्यू नहीं कर रहा होता।

वैशाली ने चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता

पहली भारतीय महिला बनीं, अब वर्ल्ड चैंपियनशिप में चीन की जू वेनजुन से भिड़ंत

साइप्रस (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने एफआईडीई विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 का खिताब जीत लिया है। उन्होंने 15 अप्रैल को साइप्रस के कैप सेंट जॉर्ज होटल में खेले गए फाइनल राउंड के बाद पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहते हुए खिताब अपने नाम किया। वैशाली ने फाइनल राउंड में सफेद मोहरों से खेलते हुए रूस की अनुभवी खिलाड़ी कैटरिना लग्नो को हराया। 24 साल की वैशाली कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। अब वे वर्ल्ड चैंपियनशिप में चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जू वेनजुन को चुनौती देंगी।

10 साल बाद कोई गैर चीनी खिलाड़ी फाइनल में – साल 2016 से विमेंस वर्ल्ड चैंपियनशिप पूरी तरह से चीनी खिलाड़ियों के कब्जे में रही है। वैशाली पिछले एक दशक में पहली ऐसी खिलाड़ी हैं जो चीन के इस दबदबे को चुनौती देंगी। खेल विशेषज्ञ अब वैशाली की तुलना गुकेश से कर रहे हैं, जिन्होंने 2024 में चीन के ही डिंग लिरेन को हराकर वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती थी। उम्मीद जताई जा रही है कि 2026 में वैशाली भी जू वेनजुन को हराकर वही कारनामा दोहराएंगी।

गुकेश ने जीता था पिछला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट – पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी। तब गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था।

ओपनिंग से ही बनाई मजबूत पकड़

- रूस की कैटरिना लग्नो ने मुकाबले की शुरुआत में सिसिलियन डिफेंस की ड्रैगन वेरिएशन अपनाई। यानी उन्होंने अपने किंग को सुरक्षित रखते हुए काले मोहरों को इस तरह जमाया कि उनका ऊंट (बिशप) कोने से लंबी दूरी तक असर डाल सके।
- इसके जवाब में वैशाली रमेशबाबू ने यूगोस्लाव अटैक खेला। मतलब, उन्होंने शुरुआत से ही सफेद मोहरों से किंग साइड पर तेज हमला करने की रणनीति अपनाई और खेल पर पकड़ बना ली।
- करीब 16वीं चाल तक वैशाली के पास साफ बढ़त थी। इसके बाद उन्होंने बिना जल्दबाजी किए रूसी खिलाड़ी की गलतियों का भी पूरा फायदा उठाया। 48वीं चाल पर लग्नो ने हार मान ली।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट क्या है और क्यों अहम

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट शतरंज की दुनिया का सबसे अहम इवेंट माना जाता है, क्योंकि यही तय करता है कि वर्ल्ड चैंपियन को अगला चैलेंजर कौन होगा। इसे वर्ल्ड चैंपियनशिप का सेमीफाइनल भी कहा जाता है। विजेता को सीधे वर्ल्ड चैंपियन से खेलने का मौका मिलता है। यह शतरंज का सबसे बड़ा क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट हर दो साल में होता है और विजेता वर्ल्ड चैंपियन को चुनौती देता है। ओपन कैटेगरी के विजेता का मुकाबला भारत के डी गुकेश से, जबकि विमेंस कैटेगरी की विजेता चीन की जू वेनजुन से होगा।

कैसे होता है टूर्नामेंट?

- इसमें दुनिया के टॉप 8 खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं।
- सभी खिलाड़ी एक-दूसरे से 2 बार (राउंड-रॉबिन फॉर्मेट) खेलते हैं।
- कुल 14 राउंड होते हैं।
- हर जीत पर 1 अंक, ड्रॉ पर 0.5 अंक मिलता है।
- सबसे ज्यादा पॉइंट्स वाला खिलाड़ी विजेता बनता है।

सीएसके ने डोसा, इडली, सांभर, चटनी गाने पर नाराजगी जताई

आरसीबी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, कहा- हमारे खिलाड़ियों और टीम का मजाक उड़ाया

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुकाबले के बाद विवाद सामने आया है। सीएसके ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से आरसीबी के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है।

मामला 5 अप्रैल का है, जिस दिन बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चेन्नई और बेंगलुरु का मैच खेला गया। इस दौरान स्टेडियम में एक गाना बजाया गया, जिसमें डोसा, इडली, सांभर, चटनी जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। सीएसके का आरोप है कि यह गाना उनके खिलाड़ियों और टीम पर तंज के तौर पर बजाया गया।

बीसीसीआई को पत्र लिखा

सूत्रों के मुताबिक सीएसके के मैनेजिंग डायरेक्टर काशी विश्वनाथन ने कहा, आमतौर पर डीजे घरेलू टीम का समर्थन करने के लिए होते हैं। लेकिन चिन्नास्वामी स्टेडियम में स्थिति अलग थी। हमारे खिलाड़ियों के खिलाफ कुछ खास टिप्पणियां की गईं। इसी को ध्यान में रखते हुए, हमने बीसीसीआई को पत्र लिखकर मामले की जांच का अनुरोध किया है।

पिछले साल जितेश शर्मा ने गाना गाया था

आरसीबी ने पिछले साल चेन्नई से मुकाबले से पहले अपने विकेटकीपर जितेश शर्मा का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे इडली-डोसा वाला गाना गा रहे थे। तब उन्हें सीएसके फैंस ने ट्रोल किया था। हालांकि, इस पर ज्यादा विवाद नहीं हुआ था। इस गाने को संगीतकार गाना अप्पु ने बनाया था।

आरसीबी-सीएसके मैच को सदर्न डर्बी कहा जाता है

पिछले कुछ सालों में सीएसके और आरसीबी के बीच राइवलरी देखने को मिली है, जिस वजह इसे आईपीएल का सदर्न डर्बी कहा गया। हेड टु हेड में सीएसके का आरसीबी पर पलड़ा भले ही भारी रहा हो, लेकिन पिछले कुछ सीजन में बेंगलुरु ने चेन्नई पर अपना दबदबा बनाया है।

सीएसके को बड़ा झटका

स्टार तेज गेंदबाज खलील अहमद पूरे टूर्नामेंट से बाहर

चेन्नई (एजेंसी)।

चेन्नई सुपर किंग को आईपीएल 2026 के बीच बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज खलील अहमद चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं।

मैच के दौरान लगी चोट

खलील अहमद को 14 अप्रैल को खलील कोलकत्ता राइडर के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान चोट लगी। उन्होंने अपने चौथे ओवर की पांचवीं गेंद डालने के बाद दर्द की शिकायत की और मैदान छोड़ना पड़ा। वह अपना कोटा पूरा नहीं कर सके, जिससे टीम को बड़ा नुकसान हुआ।

चोट की गंभीरता क्या है?

रिपोर्ट्स के मुताबिक खलील को क्वाड्रिसेप्स में ग्रेड-2 टियर हुआ है। इसके अलावा उनकी दाहिनी जांघ (रेक्टस फेमोरिस) में गंभीर स्ट्रेच इंजरी और मसल टियर भी पाया गया है। डॉक्टर्स के अनुसार, उन्हें पूरी तरह फिट होने में कम से कम 10 से 12 हफ्ते लगेंगे, यानी वह आईपीएल 2026 के बाकी मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे।

इस सीजन में प्रदर्शन

28 वर्षीय खलील अहमद का इस सीजन प्रदर्शन खास नहीं रहा था।

मैच- 5
विकेट- 2
औसत- 73
इकॉनमी- 8.67

सीएसके ने उन्हें 4.8 करोड़ रुपये में रिटेन किया था, लेकिन चोट के कारण उनका सीजन जल्दी खत्म हो गया।

आरसीबी शीर्ष पर, विराट कोहली का ऑरेंज कैप पर कब्जा, प्रसिद्ध के सिर पर्पल कैप

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 23 वें मैच में बुधवार (15 अप्रैल) को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट के हारकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर कब्जा जमा लिया। लखनऊ सुपर जायंट्स 4 अंक के साथ सातवें स्थान पर है। वह 5 में से 2 मैच हार गई है। राजस्थान रॉयल्स दूसरे, पंजाब किंग्स तीसरे और सनराइजर्स हैदराबाद चौथे नंबर पर है। दिल्ली कैपिटल्स पांचवें नंबर पर है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेले विराट कोहली ने 49 रनों की पारी खेली। उन्होंने ऑरेंज कैप पर कब्जा जाम लिया। सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन उनसे 4 रन से पीछे हैं।

NADA की RTP सूची में बड़ा बदलाव

श्रेयस-स्मृति मंधाना की जगह अभिषेक शर्मा-अक्षर पटेल; गिल-बुमराह समेत कई स्टार बरकरार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी की पंजीकृत परीक्षण पूल सूची में इस बार बड़ा बदलाव देखने को मिला है। श्रेयस अय्यर और स्मृति मंधाना की जगह युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ऑलराउंडर अक्षर पटेल को शामिल किया गया है। हालांकि, जसप्रीत बुमराह और शुभमन गिल समेत टीम इंडिया के कई प्रमुख खिलाड़ी पहले की तरह इस सूची में बरकरार हैं। आरटीपी (ऋण्क्क) में शामिल खिलाड़ियों को अपने ठिकाने की नियमित जानकारी देनी होती है और तय समय पर डोपिंग टेस्ट के लिए उपलब्ध रहना अनिवार्य होता है। पने ठिकाने की जानकारी देने में तीन बार विफल रहना डोपिंग का उल्लंघन माना जाता है। यही वजह है कि यह सूची खेल जगत में खास महत्व रखती है।

गिल, यशस्वी, हार्दिक, ऋषभ, बुमराह, केएल, अर्शदीप और तिलक पहले से ही शामिल– नाडा की आरटीपी की नवीनतम सूची में 348 खिलाड़ी शामिल हैं। टेस्ट और वनडे के कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, अर्शदीप सिंह और तिलक वर्मा पहले की तरह इस सूची में बने रहेंगे। पिछले साल वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा तथा शैफाली वर्मा और रेणुका सिंह ठाकुर इस सूची में बनी हुई हैं।

नाडा की आरटीपी सूची में कुल 14 क्रिकेटर शामिल– कुल मिलाकर नाडा की इस सूची में 14 क्रिकेटरों को शामिल किया गया है। नाडा की इस सूची में सर्वाधिक खिलाड़ी एथलेटिक्स से जुड़े हुए हैं। पिछली बार इनकी संख्या 118 थी जो अब बढ़कर 134 हो गई है। इनमें स्टीपलचेज के एथलीट अविनाश साबले, बाधा दौड़ की धाविका ज्योति याराजी, डेकाथलॉन खिलाड़ी तेजस्विन शंकर और फर्राटा धावक अनिमेष कुजुर जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं।

यूक्रेन में रूसी मिसाइल और ड्रोन हमले में कम से कम 16 लोगों की मौत

» कीव, भाषा।

रूस ने यूक्रेन के नागरिक क्षेत्रों पर कई घंटे तक सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। इस हमले में कम से कम 16 लोग मारे गए और 80 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। लगभग दो सप्ताह में यूक्रेन को निशाना बनाकर किया गया रूस का यह सबसे बड़ा हवाई हमला था। अधिकारियों ने बताया कि रूस ने लगभग 700 ड्रोन और कई बैलिस्टिक एवं क्रूज मिसाइलें दागीं, जिनका मुख्य निशाना आम नागरिक थे। रूस ने चार साल से अधिक समय पहले पड़ोसी देश पर आक्रमण किया था और तब से रूसी सेना लगभग हर दिन नागरिक क्षेत्रों पर हमले कर रही है।

नियमित हमलों के बीच-बीच में बड़े पैमाने पर हमले भी होते रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि इन हमलों में 15,000 से अधिक यूक्रेनी नागरिक मारे गए हैं। ताजा बमबारी यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की इस सप्ताह जर्मनी, नॉर्वे और इटली की 48 घंटे की यात्रा के बाद हुई है। यात्रा के दौरान जेलेंस्की ने रूसी मिसाइलों को रोकने में सक्षम और अधिक वायु रक्षा प्रणालियों की तत्काल मांग की थी। यूक्रेन को डर है कि ईरान युद्ध के कारण उन उन्नत अमेरिका-निर्मित प्रणालियों के भंडार तेजी से खत्म हो रहे हैं, जिनकी उसे आवश्यकता है। साथ ही, उसने रूसी तेल पर अमेरिकी अस्थाई छूट का विरोध किया है। यूक्रेन का कहना है कि इससे रूस के युद्ध प्रयासों को वित्तीय मदद मिल रही है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, एक और रात ने यह साबित कर दिया है कि रूस किसी भी तरह की वैश्विक नीतियों में ढील या प्रतिबंधों में राहत का हकदार नहीं है। उन्होंने यूक्रेन की हवाई रक्षा को समर्थन देने के लिए इस सप्ताह हुए नए समझौतों के लिए जर्मनी, नॉर्वे और इटली को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारी अतिरिक्त आपूर्ति के लिए नीदरलैंड के साथ भी काम कर रहे हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कुछ साझेदार देशों ने सैन्य सहायता के अपने वादों को पूरा नहीं किया है। जेलेंस्की ने कहा, मैंने वायु सेना के कमांडर को उन साझेदारों से संपर्क करने का निर्देश दिया है जिन्होंने पहले पैट्रियट और अन्य प्रणालियों के लिए मिसाइलें प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई थी। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने बृहस्पतिवार को एक्स पर कहा, इस तरह के हमलों को सामान्य नहीं माना जा सकता। ये युद्ध अपराध हैं जिन्हें रोका जाना चाहिए और इनके दोषियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। सिबिहा ने बताया कि कीव में कम से कम चार लोग मारे गए, जिनमें 12 वर्षीय बच्चा भी शामिल है, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हुए हैं। दक्षिणी बंदरगाह शहर ओडेसा में नौ लोग मारे गए और 23 अन्य घायल हो गए जबकि मध्य नीप्रो क्षेत्र में तीन लोग मारे गए और लगभग 36 व्यक्ति घायल हो गए और दक्षिण में जापोरिजिया में एक व्यक्ति की मौत हो गई। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि हवाई सुरक्षा बलों ने 703 लक्ष्यों में से 667 को मार गिराया या निष्क्रिय कर दिया, जिनमें 636 शाहेद-किस्म के ड्रोन और अन्य ड्रोन शामिल थे। वायु सेना ने बताया कि 20 स्ट्राइक ड्रोन और 12 मिसाइलों ने 26 स्थानों को निशाना बनाया।

यूक्रेन के साहस के सम्मान में जेलेंस्की को अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया

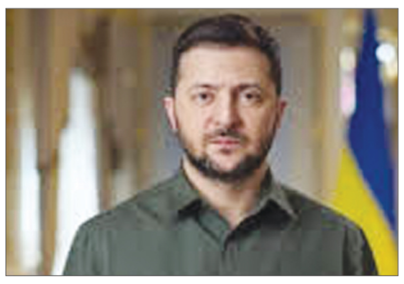

मिडलबर्ग, भाषा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को बृहस्पतिवार को एक समारोह में प्रतिष्ठित इंटरनेशनल फोर फ्रीडम अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। जेलेंस्की को यह पुरस्कार रूस द्वारा चार वर्ष से अधिक समय पहले शुरू किए गए युद्ध के जवाब में उनके और उनके देश के साहस और दृढ़ता के लिए दिया गया। यह सम्मान रूजवेल्ट फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया। रूजवेल्ट फाउंडेशन की स्थापना 1982 में की गई थी। अमेरिका के राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट ने 1941 के अपने एक भाषण में चार तरह की स्वतंत्रताओं का उल्लेख किया था, जिसमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, पूजा की स्वतंत्रता, अभाव से मुक्ति और भय से मुक्ति का जिक्र किया था। फाउंडेशन के अध्यक्ष ह्यूगो डी जोंगे ने बृहस्पति को कहा, हम यूक्रेन की जनता के अटूट साहस और दृढ़ संकल्प व उनके राष्ट्रपति जेलेंस्की के दृढ़ व संकल्पित नेतृत्व को सर्वोच्च सम्मान देते हैं। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन ने एक समारोह में जेलेंस्की को सम्मानित किया। नेल्सन मंडेला, दलाई लामा, जर्मनी की पूर्व चांसलर एंजेला मर्केल और संयुक्त राष्ट्र एवं अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस विगत में इस अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किए गए हैं।

वांग ई ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत की

चीन ने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने को कहा

» बीजिंग, भाषा।

चीन के विदेश मंत्री वांग ई ने ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने को कहा है। तेहरान के अमेरिका के साथ युद्ध के दौरान इस अहम समुद्री मार्ग पर दबाव बढ़ाने के बीच बीजिंग की ओर यह पहली ऐसी अपील है। वांग ई ने बुधवार को अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत के दौरान अंतरराष्ट्रीय नौवहन की स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी मांगी। वांग की यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के नेतृत्व में पाकिस्तान का एक मध्यस्थता प्रतिनिधिमंडल बुधवार को तेहरान पहुंचा, जहां उसने इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता के लिए नए शांति प्रस्तावों पर चर्चा की।

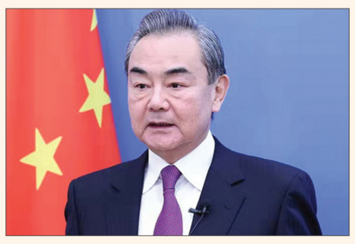

ईरान का करीबी सहयोगी और उसके तेल का सबसे बड़ा आयातक चीन भी अमेरिकी नाकेबंदी से बढ़ते ऊर्जा संकट को लेकर चिंतित है। इस नाकेबंदी के कारण ईरान के बंदरगाहों से तेल और गैस ले जाने वाले जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान और ओमान के बीच स्थित लगभग 55 किलोमीटर चौड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, जिसके जरिए करीब 20 प्रतिशत वैश्विक तेल व्यापार होता है। इस जलडमरूमध्य को खोलना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रमुख मांगों में से एक है, इसके साथ ही वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने की भी मांग कर रहे हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार वांग ई ने अराघची से कहा, वर्तमान स्थिति संघर्ष और शांति के बीच एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है और शांति के लिए एक अवसर खुल रहा है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के तटीय देश के रूप में ईरान की संप्रभुता, सुरक्षा और वैध अधिकारों व हितों का सम्मान और संरक्षण किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा, इसके साथ ही जलडमरूमध्य से अंतरराष्ट्रीय नौवहन की स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए और वहां सामान्य आवागमन बहाल करने के प्रयास अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा मांग है। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के मुताबिक, अराघची ने कहा कि तेहरान को उम्मीद है कि चीन शांति स्थापित करने और संघर्ष समाप्त करने में सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान शांतिपूर्ण वार्ता के जरिए एक व्यावहारिक और तार्किक समाधान खोजने के लिए तैयार है। इससे पहले सप्ताहांत में इस्लामाबाद में हुई अमेरिका-ईरान वार्ता का पहला दौर स्थाई समाधान के उद्देश्य से हुआ था, लेकिन परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे जटिल मुद्दों पर मतभेद बने रहने के कारण कोई समझौता नहीं हो सका। इसके बाद अमेरिका ने नाकेबंदी लागू की। चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को अमेरिकी नाकेबंदी की कड़ी आलोचना करते हुए इसे खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना बताया और कहा कि इससे तनाव बढ़ने तथा नाजुक युद्धविराम कमजोर पड़ने का खतरा है।

लाहौर में हुए हमले में लश्कर-ए-तैयबा का सह-संस्थापक घायल

लाहौर, भाषा। पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा आतंकी समूह का सह-संस्थापक आमिर हमजा बृहस्पतिवार को लाहौर में मोटरसाइकिल पर सवार अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। हमजा को लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद के बाद दूसरा सबसे महत्वपूर्ण नेता माना जाता है। सईद आतंकी वित्तपोषण मामलों में कई वर्षों की सजा के बाद 2019 से लाहौर की कोट लखपत जेल में बंद है। पुलिस के अनुसार, अज्ञात बंदूकधारियों ने गृह मंत्री मोहसिन नकवी के स्वामित्व वाले निजी टीवी चैनल 24 न्यूजएचडी टीवी के वाहन पर गोलीबारी की। चैनल के धार्मिक कार्यक्रम के मेजबान न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) नजीर अहमद गाजी और हमजा वाहन में सवार थे। पुलिस ने बताया, लाहौर के पेको रोड पर टीवी चैनल के कार्यालय के पास, मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात हथियारबंद लोगों ने कार पर गोलियां चलाई जिसमें गाजी और हमजा सवार थे। इस हमले में हमजा को गोली लगी जबकि गाजी बाल-बाल बच गए। उन्होंने बताया कि हमजा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि उसने सीसीटीवी फुटेज की मदद से हमलावरों का पता लगाने के लिए घटना की जांच शुरू कर दी है। टीवी चैनल ने एक बयान में कहा कि लाहौर में गोलीबारी में टीवी होस्ट न्यायमूर्ति नजीर गाजी बाल-बाल बचे जबकि मौलाना आमिर हमजा घायल हो गया। चैनल ने कहा कि गाजी 24 न्यूजएचडी टीवी पर नूर-ए-सहर कार्यक्रम के मेजबान हैं। बयान में कहा गया, गाजी लाहौर स्थित सिटी न्यूज़ कार्यालय में अपना शो रिकॉर्ड करने के बाद घर जा रहे थे।

न्यूज ब्रीफ

लंदन में भारतीय उच्चायोग ने अंबेडकर की 136वीं जयंती मनाई

» लंदन, भाषा।

लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने पुष्पांजलि अर्पित कर भारत रत्न डॉ. बी. आर. आंबेडकर की 136वीं जयंती मनाई और समानता के बाबासाहेब के संदेश पर विचार साझा किया। बुधवार शाम को इंडिया हाउस के अंबेडकर हॉल में आयोजित कार्यक्रम में फेडरेशन ऑफ अंबेडकराइट एंड बुद्धिस्ट ऑर्गेनाइजेशन्स (एफएबीओ) ब्रिटेन के सदस्यों, छात्रों और समुदाय के नेताओं द्वारा भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता के दूरगामी सामाजिक-आर्थिक योगदान की प्रशंसा में काव्यात्मक प्रस्तुतियों से माहौल जीवंत हो उठा।

इस मौके पर अंबेडकर के जीवन और करियर की कई प्रमुख घटनाओं को शामिल करते हुए एक वीडियो दिखाया गया, जिसमें लंदन में विधि छात्र के रूप में बिताए गए उनके समय को भी प्रदर्शित किया गया। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दुरईस्वामी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आंबेडकर का यह संदेश कि लोकतंत्र का सार इस विचार में निहित है कि हम सभी लोगों के साथ समान व्यवहार करें, एक आधुनिक राष्ट्र के लिए काफी महत्व रखता है। उन्होंने कहा, और बेशक, यह एक ऐसी यात्रा है जो न केवल भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में अब भी जारी है। हम लगातार असमानता और लैंगिक एवं सामाजिक आधार पर हिंसा के दौर में जी रहे हैं। लेकिन, बाबासाहेब ने जो सत्यवाद हमें सिखाया है, उसे न तो नकारा जा सकता है और न ही भुलाया जा सकता है।

ईरान की हिरासत से नेपाली नागरिक रिहा

» काठमांडू, भाषा।

ईरान में जारी संघर्ष के दौरान हिरासत में लिए गए नेपाली नागरिक को स्थानीय अदालत के आदेश के बाद रिहा कर दिया गया है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि तेहरान में नेपाल के मानद वाणिज्य दूतावास ने सूचित किया है कि 33 वर्षीय अमृत झा को कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद रिहा किया गया और उनकी नेपाल वापसी के लिए औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। उदयपुर जिले की त्रियुगा नगरपालिका के निवासी झा पेशे से जहाज के कप्तान हैं और उन्हें दुबई और ईरान के बीच ईंधन परिवहन के दौरान ईरानी सेना ने हिरासत में लिया था।

द काठमांडू पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, झा उन चालक दल के सदस्यों में शामिल थे जिन्हें होर्मुज जलडमरूमध्य के पास केशम द्वीप से हिरासत में लिया गया था। हालांकि उनकी गिरफ्तारी की तारीख और कारणों का स्पष्ट विवरण उपलब्ध नहीं है। इस बीच, विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि संयुक्त अरब अमीरात ने विभिन्न जेलों में सजा काट रहे 128 नेपाली नागरिकों को रिहा कर दिया है। मंत्रालय ने बताया कि यूएई सरकार ने पवित्र रमजान महीने के अवसर पर इन कैदियों को माफी दी है और नेपाल ने इस मानवीय कदम के लिए आभार व्यक्त किया है।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में अफगान तालिबान के हमले में तीन लोगों की मौत

» पेशावर, भाषा।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगान तालिबान के हमले में दो बच्चों सहित कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार देर रात बाजौर जिले के मलिक शाहीन गांव में अफगान तालिबान ने सुरक्षा बलों द्वारा उनकी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किए जाने के बाद नागरिकों को निशाना बनाया। अधिकारी ने बताया कि हमले में दो बच्चों और एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने नेतन्याहू से बातचीत करने से इनकार किया

» बेरूत, भाषा।

लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने बृहस्पतिवार को इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत करने से इनकार कर दिया। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि यह टिप्पणी अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ फोन पर बातचीत के दौरान की गई और वाशिंगटन ने लेबनान के रुख के प्रति सहानुभूति दिखाई।

औन के कार्यालय ने रुबियो के साथ फोन पर हुई बातचीत की एक सार्वजनिक बयान में पुष्टि की है, लेकिन इसमें नेतन्याहू के साथ संभावित बातचीत का कोई उल्लेख नहीं किया गया। नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से भी इस संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

अमेरिका-ईरान वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए पाक के सेना प्रमुख तेहरान में अधिकारियों से मुलाकात करेंगे

» दुबई, भाषा।

पश्चिम एशिया में तनाव कम करने तथा अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर बृहस्पतिवार को तेहरान में ईरानी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि इजराइल और लेबनान के नेता आज इजराइल और ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिज्बुल्ला के बीच लेबनान में चल रही लड़ाई को रोकने के बारे में बात करेंगे। यदि यह बातचीत होती है, तो यह दोनों देशों के नेताओं के बीच 30 वर्षों से अधिक समय में पहली बार प्रत्यक्ष वार्ता होगी। हालांकि, इजराइल और लेबनान की सरकारों ने किसी भी वार्ता के बारे में पुष्टि नहीं की है।

वहीं, चीन के विदेश मंत्री वांग ई ने ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने को कहा है। वांग ने बुधवार को अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत के दौरान अंतरराष्ट्रीय नौवहन की स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी मांगी। चीन की ओर से जारी एक सरकारी बयान के मुताबिक, वांग ने अब्बास अराघची से कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के तटीय देश के रूप में ईरान की संप्रभुता, सुरक्षा और वैध अधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन साथ ही जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले नौवहन की स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। अमेरिकी नौसेना द्वारा ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी रहने के बीच अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर नए आर्थिक प्रतिबंध लगाकर ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाएगा। व्हाइट हाउस ने कहा कि ईरान के साथ आगे की बातचीत संभवतः पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में होगी, हालांकि वार्ता फिर से शुरू करने के बारे में अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच सीधी वार्ता की मेजबानी करने के बाद पाकिस्तान एक प्रमुख मध्यस्थ के रूप में उभरा है।

ईरान-अमेरिका वार्ता के दूसरे दौर की तारीख अभी तय नहीं : पाकिस्तान

इस्लामाबाद, भाषा। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत के दूसरे दौर के लिए अभी तक कोई तारीख तय नहीं की गई है। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी का यह बयान उन खबरों के बीच आया है कि पाकिस्तानी पक्ष द्वारा ईरानी नेतृत्व सहित क्षेत्रीय नेताओं के साथ किए गए हालिया संपर्क के बाद बातचीत का एक और दौर संभव है। अंद्राबी ने बातचीत के दूसरे दौर की संभावना को खारिज करने से परहेज करते हुए कहा, अभी तक कोई तारीख तय नहीं की गई है। बातचीत के दूसरे दौर के लिए प्रतिनिधिमंडलों के आगमन और इसके स्वरूप के बारे में पूछे जाने पर अंद्राबी ने कहा, कौन आएगा, प्रतिनिधिमंडल कितना बड़ा होगा, कौन रुकेगा और कौन जाएगा - यह दोनों पक्षों को तय करना है। उन्होंने कहा, हमारे यहां जो बातचीत हुई, उससे संबंधित विवरण और जानकारी हमें बातचीत करने वाले पक्षों द्वारा सौंपी गई थी। अंद्राबी ने यह भी कहा कि परमाणु मुद्दा उन विषयों में से एक है जिन पर देशों द्वारा चर्चा की जा रही है। उन्होंने मीडिया से अटकलों से बचने का आग्रह करते हुए कहा, हम तेहरान और वार्ता में शामिल पक्षों के रुख पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। यह हम पर पक्षों के भरोसे का हिस्सा है।

चींटियों की तस्करी में चीनी व्यक्ति को एक वर्ष के कारावास की सजा

नैरोबी (केन्या), भाषा। केन्या की एक अदालत ने चींटियों की तस्करी करने का दोषी पाए जाने पर एक चीनी नागरिक को बुधवार को एक वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। चीनी नागरिक कई विशेष ट्यूब में चींटियों की कथित तौर पर तस्करी कर रहा था। बिना लाइसेंस के वन्यजीवों को कब्जे में रखने के आरोप में दोषी ठहराए जाने के बाद झांग केकुन पर दस लाख केन्याई शिलिंग का जुर्माना भी लगाया गया। केन्या ने पहले भी बेल्जियम के किशोरों पर जुर्माना लगाया था, जिनके कब्जे में रानी चींटियां पाई गई थी। इन चींटियों का उपयोग खाने के लिए किया जाता है और यूरोप तथा एशिया में इन्हें पालतू के रूप में भी रखा जाता है। केकुन के साथ इस मामले में केन्याई नागरिक चार्ल्स म्वांगी को भी आरोपी बनाया गया था जिसने आरोप स्वीकार नहीं किए।

पाकिस्तानी नौसेना ने जहाज से दागी जाने वाली एंटी-शिप मिसाइल का सफल परीक्षण किया

» कराची , भाषा।

पाकिस्तान की नौसेना ने स्वदेशी रूप से विकसित जहाज से दागी जाने वाली एंटी-शिप मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। यह विस्तारित दूरी पर लक्ष्यों को सटीकता से निशाना बनाने में सक्षम है। सेना ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सेना की मीडिया इकाई इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि मिसाइल अत्याधुनिक मार्गदर्शन प्रणाली और उन्नत गतिशीलता से लैस है।

यह प्रणाली इसे खतरों से बचने, बदलती परिस्थितियों के अनुसार ढलने और सटीकता के साथ वार करने में सक्षम बनाती है। बयान में कहा गया, पाकिस्तान नौसेना ने स्वदेशी रूप से विकसित और जहाज से दागी जाने वाली एंटी-शिप मिसाइल का सफल परीक्षण किया और लंबी दूरी पर उच्च गति के साथ सटीक रूप से अपने लक्ष्य को भेदा। इसमें कहा गया है कि स्थानीय स्तर पर विकसित मिसाइल का सफल प्रक्षेपण तकनीकी उत्कृष्टता और परिचालन विशेषज्ञता के एकीकरण को रेखांकित करता है। नौसेना प्रमुख एडमिरल नवीद अशरफ ने प्रमुख वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के साथ मिसाइल प्रक्षेपण देखा। इस मिसाइल का पिछला परीक्षण पिछले साल नवंबर में किया गया था। आईएसपीआर ने कहा कि यह हथियार प्रणाली समुद्र और जमीनी दोनों लक्ष्यों को बेहद सटीकता के साथ भेदने में सक्षम है।

भारतीय नागरिक पर 16 लाख सिंगापुर डॉलर से अधिक की धोखाधड़ी का आरोप

सिंगापुर, भाषा। एक सांस्कृतिक संगठन से 16 लाख सिंगापुर डॉलर (लगभग 13 लाख अमेरिकी डॉलर) से अधिक की धोखाधड़ी करने के आरोप में एक भारतीय समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय मीडिया की खबर में यह जानकारी दी गई है। चैनल न्यूज एशिया (सीएनए) की खबर के अनुसार, अप्रैल और दिसंबर 2023 के बीच, आरोपी अलागप्पन मुथु (53) और चीनी मूल के सिंगापुर निवासी चिंग वाई लेंग (81) ने कथित तौर पर बिशान में क्वांग वाई सियू पेक सैन थेंग को धोखा देने के लिए नौ बार साजिश रची। क्वांग वाई सियू पेक सैन थेंग एक सांस्कृतिक संगठन और अस्थि कलश रखने का स्थान है। यहां अस्थि कलशों को रखने के लिए कक्ष में खांचे बने हुए हैं। भ्रष्टाचार निवारण जांच ब्यूरो (सीपीआईबी) का हवाला देते हुए खबर में कहा गया है कि चिंग उस समय अस्थि कलशगृह में रखरखाव अनुभाग के प्रमुख थे, जबकि मुथु एक निजी कंपनी केकेवी कंस्ट्रक्शन में निदेशक थे। सीपीआईबी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, चिंग एशियाबिल्ड एंटरप्राइजेज के मालिक थे। आरोप है कि दोनों ने केकेवी कंस्ट्रक्शन को खुली निविदा के माध्यम से प्लास्टर, पेंटिंग, धुलाई और मरम्मत कार्यों समेत कई तरह के काम दिलाने में मदद करने पर सहमति जताई थी। इसके बदले में, मुथु की केकेवी कंस्ट्रक्शन ने काम का ठेका एशियाबिल्ड एंटरप्राइजेज को दे दिया।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला डी सिल्वा ने भी पोप की आलोचना करने के लिए ट्रंप पर निशाना साधा

पोप की आलोचना के बाद ट्रंप ने ईरान युद्ध में समर्थन नहीं देने के लिए मेलोनी की कड़ी निंदा की

» मिलान/साओ पाओलो , भाषा।

पोप लियो 14वें का समर्थन करने के कारण इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर हैं जिन्हें कभी यूरोप और डोनाल्ड ट्रंप के बीच सेतु माना जाता था। वहीं, ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला डी सिल्वा ने भी पोप की आलोचना करने के लिए ट्रंप पर निशाना साधा है। पोप लियो 14वें की आलोचना करने के बाद ट्रंप ने अपना गुस्सा मेलोनी पर निकाला जो लंबे समय से उनके सबसे करीबी यूरोपीय सहयोगियों में से एक रही हैं। मेलोनी ने पोप पर इस तीखे हमले को अस्वीकार्य बताया था और ईरान पर अमेरिका-इजराइल युद्ध का समर्थन नहीं किया था। ट्रंप ने इटली के प्रमुख दैनिक अखबार कोरिएरे डेला सेरा को दिए साक्षात्कार में कहा, मुझे लगा था कि उनमें साहस है।

मैं गलत था। हालांकि मेलोनी ने ट्रंप के हमलों का सीधे तौर पर जवाब नहीं दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटनाक्रम मेलोनी के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है क्योंकि पिछले महीने हुए जनमत संग्रह में मिली करारी हार से उबर रहीं इटली की प्रधानमंत्री ईरान के साथ हुए युद्ध के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रही हैं, जिसमें ऊर्जा की बढ़ती कीमतें भी शामिल हैं। जॉन हॉपकिंस एसएआईएस यूरोप की प्रोफेसर और अंतरराष्ट्रीय मामलों के संस्थान की निदेशक नताली टॉकी ने कहा, मुझे लगता है कि यह उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। ट्रंप यूरोप और इटली समेत दुनिया के कई हिस्सों में बेहद बदनाम हो चुके हैं। बुधवार को ट्रंप ने अपने रुख पर जोर देते हुए कहा कि उनके बीच संबंध खराब हो गए हैं। फॉक्स न्यूज से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, उनका (मेलोनी का) रवैया नकारात्मक रहा है। जिसने भी ईरान के मामले में हमारी मदद करने से इनकार किया है, उनके साथ हमारे संबंध पहले जैसे नहीं रहे। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित यूरोपीय संघ की एकमात्र नेता मेलोनी से यह उम्मीद की जा रही थी कि 15 महीने पहले सत्ता में लौटने के बाद वह उनके साथ अपने मजबूत संबंधों का लाभ उठाएंगी। दोनों नेताओं के बीच स्वाभाविक गठबंधन की संभावना थी, क्योंकि दोनों राष्ट्रवादी विचारधारा वाले और प्रवासन पर समान रूप से कठोर रुख रखते हैं। लेकिन ट्रंप की शुल्क नीति का असर इटली पर भी पड़ा और कुछ लोग कह सकते हैं कि इस रिश्ते से उसे कुछ खास फायदा नहीं हुआ। जब उनसे पूछा गया कि क्या इस महीने दोनों की बातचीत हुई है तो ट्रंप ने कोरिएरे को बताया, नहीं, काफी समय से हमारी बातचीत नहीं हुई है। एक साल पहले ओवल ऑफिस (अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति का कार्यालय) में हुई उनकी मुलाकात असहज रही थी, जब उन्होंने शुल्क के मुद्दे पर ट्रंप का सीधे सामना करने से परहेज किया था। ईरान युद्ध को लेकर दोनों देशों के बीच दूरियां और बढ़ीं। मेलोनी ने कहा है कि इटली इस युद्ध में हिस्सा नहीं लेगा और पिछले महीने इटली ने सिसिली के एक महत्वपूर्ण हवाई अड्डे पर अमेरिकी बमवर्षकों को उतरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इस सप्ताह मेलोनी ने पोप पर ट्रंप के हमले को अस्वीकार्य बताया था जो अमेरिकी राष्ट्रपति की अब तक की सबसे सीधी आलोचना थी। वहीं, पोप और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच जारी तीखी बयानबाजी के बीच ब्राजील के राष्ट्रपति ने बुधवार को कहा कि पोप लियो 14वें को उन ताकतवर लोगों से बचाया जाना चाहिए जिन्होंने हाल में उनकी आलोचना की है। लियो 14वें अमेरिका से पहले पोप हैं। उन्होंने बुधवार को कैमरून की अपनी यात्रा के दौरान इस बात पर जोर दिया कि आज दुनिया को जो संदेश सुनने की जरूरत है वह शांति और संवाद का है। हाल के दिनों में ट्रंप ने ईरान युद्ध के खिलाफ लियो की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की है। अक्टूबर में दोबारा चुनाव लड़ने जा रहे वामपंथी विचारधारा वाले लूला (80) ने ब्राजील के राष्ट्रीय बिशप सम्मेलन की एक सभा को भेजे गए वीडियो संदेश में कहा, मैं पोप लियो 14वें के प्रति एकजुटता दिखाना चाहता हूं। मानव इतिहास में, शांति और उत्पीड़न के शिकार लोगों के हिमायतियों पर ताकतवर एवं प्रभावशाली लोगों द्वारा हमले किए गए हैं जो खुद को पूजनीय देवता समझते हैं। लूला ने कहा, हथियार और धन के बल से कहीं अधिक प्रेम से भरा दिल बेहतर होता है। लियो और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच विवाद तब शुरू हुआ जब पोप ने कहा कि ईश्वर उन लोगों को आशीर्वाद नहीं देते जो बम गिराते हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com